Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

डाक पंजीयन संख्याः-एल-2/9/रजि0/ए0डी0/119/15-17

संस्करण : लखनऊ
वर्ष : 11
अंक : 164
पृष्ठ : 6
मूल्य : 1.00

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

लखनऊ-सोमवार,13 अक्टूबर 2025 लखनऊ, प्रयागराज,ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने किया किसना के नए

4 महामारी का सबब बन सकते हैं बर्फ से निकलते दैत्य

5 कहां से होती है युजवेंद्र की एक्स वाइफ की कमाई

सरदार पटेल की 150वीं जयंती धूमधाम से मनाएगी यूपी सरकार

वो अखंड भारत के शिल्पी थे: सीएम

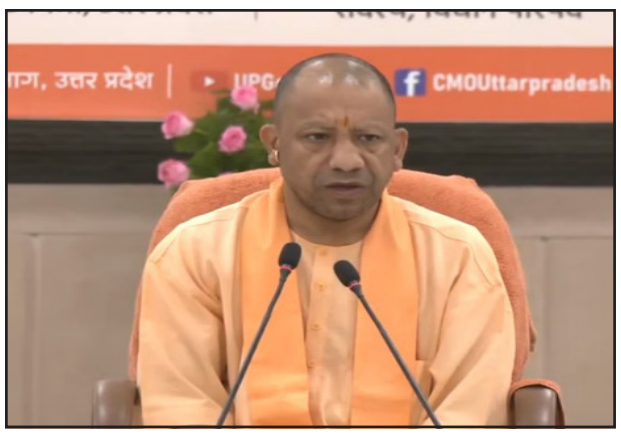

सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती पर उत्तर प्रदेश में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वह अखंड भारत के शिल्पी थे।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में देश के पहले गृहमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती धूमधाम से मनाई जाएगी। इसके लिए योगी सरकार तैयारी में जुट गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरदार पटेल स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं बल्कि अखंड भारत के शिल्पी थे। आज हमें जैसा भारत नजर आता है वो सरदार पटेल के कारण ही है। 31 अक्तूबर को उनकी जयंती पर कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा जिसके लिए चर्चा की जा रही है। सीएम योगी ने प्रेसवार्ता में जानकारी देते हुए बताया कि सरदार पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर प्रदेश भर में 31 अक्तूबर को रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया जाएगा। सरकार और भारतीय जनता पार्टी मिलकर इसे भव्य-दिव्य बनाएगी। वहीं 31 अक्तूबर से 26 नवंबर के बीच सरदार @150 यूनिटी मार्च आयोजित किया जाएगा। इसका हिस्सा प्रदेश के हर जनपद के खिलाड़ी, कलाकार समेत पांच-पांच युवा बनेंगे। ये सभी युवा लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जन्म भूमि से लेकर केवड़िया गुजरात तक की 150 किलोमीटर की यात्रा से जुड़ेंगे। इन सभी को चार प्रमुख केंद्र होते हुए सरदार साहब की पावन जन्मभूमि तक बस द्वारा पहुंचाया जाएगा। इसके बाद यहां से सभी 150 किलोमीटर की पद यात्रा में शामिल होंगे। इस राष्ट्रीय पद यात्रा में सरदार साहब की जन्मभूमि करमसद से स्टैच्यू ऑफ यूनिटी केवड़िया तक की यात्रा गुजरात में आयोजित होगी। यह राष्ट्रीय पद यात्रा होगी, जिसमें हजारों युवा अभियान का हिस्सा बनेंगे। सभी युवा जन जागरण अभियान के विभिन्न कार्यक्रमों को आगे बढ़ाएंगे। यह जानकारी रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रेसवार्ता में पत्रकारों को दी। स्थानीय स्तर पर आयोजित किये जाएंगे विभिन्न कार्यक्रम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बताया कि प्रदेश की हर लोकसभा क्षेत्र में तीन दिवसीय 8 से 10 किलोमीटर की पदयात्रा निकाली जाएगी, जो सभी विधानसभा से होकर गुजरेगी। पदयात्रा से पहले स्थानीय स्तर पर आम जनमानस में जागरूकता पैदा करने के लिए कई कार्यक्रम भी आयोजित किये जाएंगे। इसमें भारत की एकता और अखंडता में सरदार साहब के योगदान पर निबंध, वाद-विवाद प्रतियोगिता, सरदार वल्लभ भाई पटेल के जीवन पर आधारित संगोष्ठी, नुक्कड़ नाटक आदि होंगे। इसके अलावा युवाओं के लिए नशा मुक्त भारत शपथ ग्रहण कार्यक्रम, विभिन्न क्षेत्रों में वोकल फॉर लोकल और लोकल फॉर ग्लोबल अभियान का आयोजन होगा। योग और स्वास्थ्य से संबंधित शिविर भी लगेगा। पूरे प्रदेश में विशेष स्वच्छता अभियान भी चलाया जाएगा। इसके अलावा पद यात्रा के दौरान स्थानीय कमेटियों, विभिन्न समाजसेवी संगठनों, सांस्कृतिक संगठनों द्वारा सरदार साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण-श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे।

राजद के दो विधायक विभा देवी और प्रकाशवीर ने बिहार विधानसभा से दिया इस्तीफा

नवादा। आगामी बिहार विधानसभा चुनाव से पहले राष्ट्रीय जनता दल (राजद) को एक बड़ा राजनीतिक झटका लगा है और पार्टी के दो विधायकों, नवादा सीट से विभा देवी और रजौली विधानसभा क्षेत्र से प्रकाशवीर ने विधानसभा में अपनी सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। इन दोनों नेताओं ने बिहार विधानसभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव के समक्ष अपना इस्तीफा सौंप दिया। विधायक विभा देवी नवादा विधानसभा क्षेत्र से पूर्व मंत्री और प्रभावशाली राजद नेता राजबल्लभ यादव की पत्नी हैं। रजौली से विधायक प्रकाशवीर भी नंद किशोर यादव के नजदीकी माने जाते हैं और लंबे समय से उनके राजनीतिक संपर्क में रहे हैं। विधायक विभा देवी ने अपने त्यागपत्र में कहा कि वह अपनी इच्छा से विधायक पद से इस्तीफा दे रही हैं और उन्होंने अध्यक्ष से अपना इस्तीफा स्वीकार करने का अनुरोध किया। इसी तरह प्रकाशवीर ने भी अपने पत्र में उल्लेख किया कि वह भी बिहार विधानसभा की सदस्यता छोड़ रहे हैं। दोनों विधायकों के इस्तीफे ने राजनीतिक अटकलों को हवा देते हुए संकेत दिया है कि उनकी राजनीतिक राह बदल सकती हैं। नवादा जिला राजद सुप्रीमो लालू परिवार का पारंपरिक गढ़ माना जाता है और इन दोनों विधायकों का इस्तीफा ऐसे समय पर आया है जब प्रदेश के सभी प्रमुख दल राज्य विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटे हैं।

40,500 से अधिक धावकों ने वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन में भाग लिया

खेल मंत्री थलसेना, नौसेना समेत शीर्ष अधिकारी भी रहे मौजूद

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम से शुरू हुई वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन के 20वें संस्करण रविवार को 40,500 से अधिक धावकों ने भाग लिया। केन्या के धावक एलेक्स मटाटा ने पुरुषों की रेस 59रू50 मिनट में जीती, जबकि हमवतन लिलियन कासैट रेंगरुक ने 1.07.20 घंटे के समय के साथ महिलाओं का ताज अपने नाम किया। भारत के अभिषेक पाल ने 1.04.17 घंटे में अपना तीसरा वीडीएचएम खिताब जीता। इसी तरह सीमा ने महिलाओं की रेस में 1.11.23 घंटे का समय लेकर जीत हासिल की। आज यहां दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना, केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया और चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान सहित कई गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। साथ ही, थलसेना, नौसेना और वायुसेना के शीर्ष अधिकारी भी मौजूद थे। मैराथन में हर वर्ग के प्रतिभागी, पेशेवर, छात्र, सैनिक, वरिष्ठ नागरिक और अन्य इसका हिस्सा बनने पहुंचे। मैराथन को इस वर्ष के आयोजन में एक बार फिर ग्रेट दिल्ली रन, चौंपियंस विद डिसेबिलिटी रन और सीनियर सिटीजन रन जैसी श्रेणियों के माध्यम से समावेशिता और विविधता का जश्न मनाया गया। हर एक रेस वर्ग में अदम्य मानवीय भावना की प्रतिध्वनि थी। 14,000 से अधिक प्रतिभागियों ने ग्रेट दिल्ली रन का उपयोग अपने दिल के करीब सामाजिक कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए किया।

खरगे ने सिद्दारमैया को लिखा पत्र , आरएसएस की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने की मांग की

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार में मंत्री प्रियांक खरगे ने मुख्यमंत्री सिद्दारमैया को पत्र लिखकर राज्य के सरकारी परिसरों में आरएसएस की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। यह पत्र 4 अक्टूबर को लिखा गया था, जिसे अब सीएम मीडिया टीम ने सार्वजनिक किया है। प्रियांक खरगे ने पत्र में लिखा, जब समाज में नफरत फैलाने वाली विभाजनकारी ताकतें सिर उठाती हैं, तो हमारे संविधान के मूल सिद्धांत (एकता, समानता और अखंडता) हमें उन्हें रोकने का अधिकार देते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि आरएसएस की शाखाएं सरकारी और अर्ध-सरकारी स्कूलों, सार्वजनिक मैदानों, मंदिरों, पार्कों और पुरातत्व विभाग के स्थलों पर चल रही हैं। यहां बिना पुलिस अनुमति के लाठी (दंड) के साथ आक्रामक प्रदर्शन किए जा रहे हैं, जिससे बच्चों और युवाओं के मन पर नकारात्मक और विभाजनकारी विचारों का असर पड़ रहा है। उन्होंने आगे लिखा, देश के बच्चों, युवाओं और समाज के मानसिक स्वास्थ्य और विकास के हित में आरएसएस की सभी गतिविधियों को सरकारी परिसरों में प्रतिबंधित किया जाए। इस पत्र पर प्रतिक्रिया देते हुए कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने कहा, प्रियांक खरगे ऐसे पत्र लिखने वाले कौन होते हैं? आरएसएस पर बोलने या टिप्पणी करने से पहले उन्हें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के योगदान को समझना चाहिए। कांग्रेस सरकार के दौरान भारत-चीन युद्ध में भूमिका के लिए आरएसएस की सराहना की गई थी और उसे गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था।

केवल कुछ लोगों के लिए विशेषाधिकार नहीं बननी चाहिए शिक्षा, यह आजादी की असली नींव :राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि शिक्षा सबके लिए होनी चाहिए। यह केवलकुछ लोगों का विशेष अधिकार नहीं होना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि भारत को लोकतांत्रिक माहौल में विकसित होने वाली वैकल्पिक विनिर्माण प्रणाली बनानी चाहिए और इसके लिए पेरू या अमेरिका से साझेदारी मददगार हो सकती है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि भारत को ऐसी शिक्षा व्यवस्था की जरूरत है, जो देश की विविधता को दर्शाए और केवल कुछ लोगों के लिए ही विशेष अधिकार न बन जाए। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही आजादी की असली नींव है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने यह भी कहा कि भारत को ऐसी वैकल्पिक विनिर्माण प्रणाली (मैन्युफैक्चरिंग सिस्टम) खड़ी करनी होगी, जो लोकतांत्रिक प्रणाली में विकसित हो सके। उन्होंने यह भी सुझाव भी दिया कि अमेरिका या पेरू के साथ साझेदारी इस दिशा में एक सही कदम हो सकता है। राहुल गांधी ने पेरू के पॉन्टिफिकल कैथोलिक विश्वविद्यालय और चिली विश्वविद्यालय के छात्रों के साथ बातचीत की। बातचीत शिक्षा, लोकतंत्र और भू-राजनीति जैसे मुद्दों पर केंद्रित रही। कांग्रेस ने राहुल गांधी की इस बातचीत का वीडियो एक्स पर साझा करते हुए लिखा, भारत को एक वैकल्पिक विनिर्माण प्रणाली की जरूरत है, जो लोकतंत्र में विकसित हो। ऐसे में पेरू या अमेरिका के साथ साझेदारी आगे का रास्ता हो सकती है। राहुल गांधी ने कहा, शिक्षा की शुरूआत जिज्ञासा से होती है और यह तभी सही दिशा में जाती है ,जब बिना किसी डर या सामाजिक-राजनीतिक बंदिशों के सोचने और सवाल पूछने की पूरी आजादी हो। शिक्षा केवल कुछ लोगों के लिए विशेष अधिकार नहीं बननी चाहिए, क्योंकि यह स्वतंत्रता की बुनियाद है। भारत को ऐसी शिक्षा प्रणाली की जरूरत है जो वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा दे, आलोचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करे और देश की विविधता को दर्शाए। कांग्रेस ने बताया कि राहुल गांधी ने पेरू के पोंटिफिकल कैथोलिक विश्वविद्यालय और चिली विश्वविद्यालय का दौरा किया और छात्रों के साथ गहरी बातचीत की। पार्टी ने कहा, यह संवाद शिक्षा, लोकतंत्र और वैश्विक राजनीति जैसे विषयों पर केंद्रित रहा और इस पर भी चर्चा हुई कि मौजूदा बहुध्रुवीय विश्व में भारत को आगे कैसे बढ़ना चाहिए।

अफगानिस्तान-पाकिस्तान के बीच हिंसक झड़प को लेकर मुस्लिम देशों ने चिंता जाहिर की, बोले- दोनों देश आत्मसंयम बरतें

नई दिल्ली। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच जारी हिंसक झड़प को लेकर ईरान, कतर और सऊदी अरब समेत मुस्लिम देशों ने चिंता जाहिर की है। काबुल में पाकिस्तान की एयरस्ट्राइक के बाद अफगानिस्तान ने पलटवार किया, जिसके बाद सीमा पर दोनों पक्षों के बीच गोलीबारी शुरू हो गई। सऊदी अरब और कतर ने बयान जारी कर दोनों पक्षों से आत्मसंयम बरतने और तनाव कम करने का आग्रह किया है। सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, सऊदी अरब इस्लामिक गणराज्य पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमावर्ती क्षेत्रों में हो रहे तनाव और झड़पों पर चिंता व्यक्त करता है। हम दोनों देशों से संयम बरतने, तनाव बढ़ाने से बचने और सुरक्षा व स्थिरता बनाए रखने में योगदान देने के लिए बातचीत और समझदारी अपनाने का आह्वान करते हैं। मंत्रालय ने आगे कहा कि राज्य शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किए जा रहे सभी क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों के लिए अपने समर्थन और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपनी निरंतर प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है ताकि भाईचारे वाले पाकिस्तानी और अफगानी लोगों के लिए स्थिरता और समृद्धि प्राप्त हो। वहीं ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने भी इस्लामाबाद और काबुल से संयम बरतने का आह्वान किया। अराघची ने सरकारी टेलीविजन को दिए एक इंटरव्यू में कहा, हमारा रुख यह है कि दोनों पक्षों को संयम बरतना चाहिए। दोनों देशों के बीच स्थिरता, क्षेत्रीय स्थिरता में योगदान देती है ष वहीं कतर ने दोनों पक्षों से बातचीत, कूटनीति और संयम को प्राथमिकता देने और मतभेदों को इस तरह नियंत्रित करने का आग्रह किया जिससे तनाव कम हो सके। विदेश मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है कि कतर, अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से सभी क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों का समर्थन करता है और दोनों देशों के लोगों की सुरक्षा और समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराता है। हाल ही में अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच सीमा पर हुई झड़पों में कई लोग हताहत हुए।

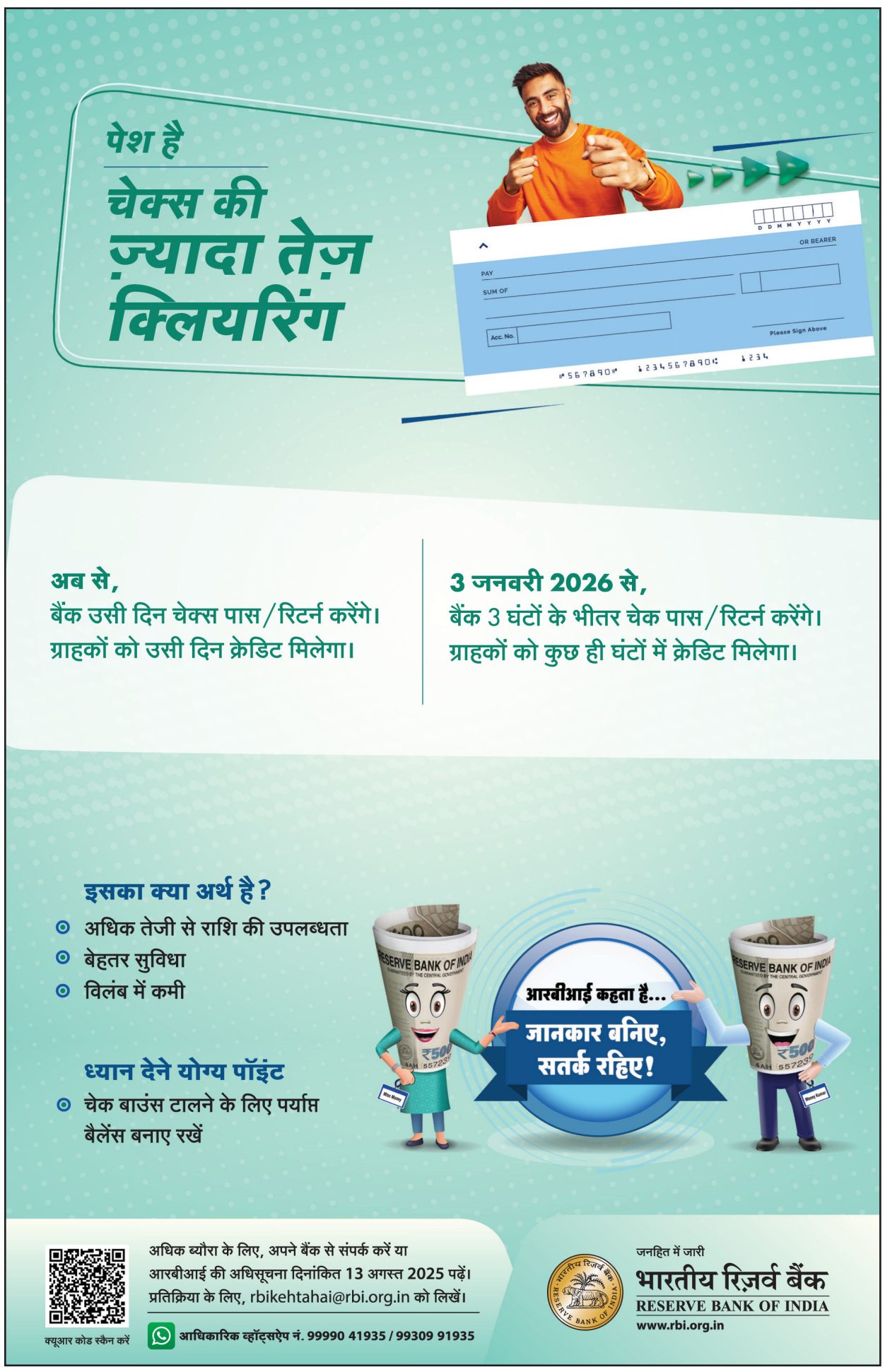

मंत्र भारत

पूर्वांचल

लखनऊ-सोमवार,13 अक्टूबर 2025

मध्य रेल के सोलापुर मंडल स्थित डॉ. कोटनीस मेमोरियल रेलवे अस्पताल में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया गया

मध्य रेल के सोलापुर मंडल स्थित डॉ. कोटनीस मेमोरियल मंडल रेलवे अस्पताल ने मानसिक स्वास्थ्य और तनाव मुक्त कार्यस्थलों को बढ़ावा देने के लिए बड़े उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया। कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य और तनाव प्रबंधन के बारे में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नैदानिक मनोवैज्ञानिक और अतिथि व्याख्याता सुश्री श्रेया गरमपट्टी ने कार्यस्थल पर तनाव प्रबंधन पर एक आकर्षक और ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया। उन्होंने दैनिक तनावों से निपटने के व्यावहारिक तरीके बताए और एक स्वस्थ कार्य-जीवन संतुलन बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) डॉ. मंजूनाथ ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए तनाव को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने में आत्म-सम्मान, खुले संवाद और सक्रिय श्रवण की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए पौष्टिक आहार, नियमित

व्यायाम और संगीत चिकित्सा सहित एक संतुलित जीवन शैली अपनाने के महत्व पर भी जोर दिया। इस सत्र में डॉक्टरों, फार्मासिस्टों, नर्सिंग स्टाफ, मरीजों और उनके रिश्तेदारों सहित 100 से अधिक उपस्थित लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। संवादात्मक चचाओं और विशेषज्ञों की राय को खूब सराहा गया, जिससे यह कार्यक्रम जानकारीपूर्ण और प्रभावशाली बना। यह कार्यक्रम मंडल चिकित्सा अधिकारी (डीएमओ) डॉ. विनोद के सहयोग से आयोजित किया गया और मुख्य नर्सिंग पर्यवेक्षक (सीएनएस) श्री राहुल गंबारे द्वारा कुशलतापूर्वक समन्वित किया गया। सहायक नर्सिंग अधिकारी (एएनओ) श्रीमती सखारे ने कार्यक्रम के आयोजन और इसके सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डॉ. कोटनीस मेमोरियल रेलवे अस्पताल में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस समारोह ने सफलतापूर्वक यह संदेश दिया कि मानसिक स्वास्थ्य शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्वपूर्ण है। सोलापुर मंडल समग्र कल्याण पर जोर देता रहा है और सभी रेल कर्मियों के लिए एक सहायक और स्वस्थ कार्य वातावरण बनाने का प्रयास करता रहा है।

रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने 5 महिला अधिकारियों सहित 26 कर्मियों के दल के साथ नई दिल्ली में वेदांता हाफ मैराथन 2025 में भाग लिया

रेल मंत्रालयआरपीएफ दल का विषय ऑपरेशन नाकोर्स: आरपीएफ मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध युवाओं में मादक पदार्थों के विरुद्ध जागरूकता बढ़ाने, रेलवे नेटवर्क के माध्यम से मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने और एक नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए बल के निरंतर प्रयासों को रेखांकित करता है ।

गोरखपुर : रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) आज जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम नईदिल्ली में आयोजित वेदांता हाफ मैराथन 2025 में शामिल हुआ। 5 महिला अधिकारियों सहित विभिन्न रैंकों के 26 कर्मियों के दल ने आरपीएफ महानिदेशक आईपीएस सुश्री सोनाली मिश्रा के मार्गदर्शन में इस प्रतिष्ठित आयोजन में बल का प्रतिनिधित्व किया। आरपीएफ दल का नेतृत्व महानिरीक्षक/निर्माण/उत्तर रेलवे श्रीमती कमलजोत बरार ने किया। ऐसे आयोजनों में आरपीएफ की भागीदारी अपने कर्मियों में शारीरिक फिटनेस, अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व को बढ़ावा देने के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। वेदांता हाफ मैराथन 2025 के लिए आरपीएफ दल का विषय ऑपरेशन नाकोर्स: आरपीएफ अगेंस्ट ड्रग ट्रैफिकिंग था। यह विषय युवाओं में नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने, रेलवे नेटवर्क के माध्यम से नशीली दवाओं की तस्करी पर अंकुश लगाने और नशामुक्त समाज के निर्माण में योगदान देने के आरपीएफ के निरंतर प्रयासों को रेखांकित करता है। आरपीएफ यात्रियों की सुरक्षा, संरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने के अपने मिशन में अडिग है। साथ ही राष्ट्रीय उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित एक सामाजिक रूप से जिम्मेदार बल के रूप में अपनी भूमिका को भी निभाता है।

लखीमपुर स्टेशन पर प्रसाधन की सफाई करते हुये सफाई मित्र

गोरखपुर,: भारतीय रेल पर 01 से 15 अक्टूबर, 2025 तक मनाये जा रहे स्वच्छता पखवाड़ा-2025 के बारहवें दिन 12 अक्टूबर, 2025 को स्वच्छ प्रसाधन एवं स्वच्छ पर्यावरण थीम के अन्तर्गत मुख्यालय गोरखपुर, लखनऊ, वाराणसी एवं इज्जतनगर मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर प्रसाधनों की गहन साफ-सफाई की गई तथा पर्यावरण को स्वच्छ रखने हेतु यात्रियों को जागरूक किया गया। 12 अक्टूबर, 2025 को लखनऊ मंडल के प्रमुख स्टेशनों, कोचिंग डिपो, कार्यालयों, चिकित्सालयों, स्वास्थ्य इकाइयों, रेलवे आवासी कॉलोनियों में प्रसाधनों की साफ-सफाई की गई। लीकेज पाइप्स, ड्रेनेज सिस्टम आदि की मरम्मत की गई। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से रेलवे ट्रैक पर गंदगी न करने हेतु लोगों को जागरूक किया गया। स्टेशनों पर दिव्यांगजनो के प्रसाधनों की सफाई की गई। पर्यावरण को स्वच्छ रखने हेतु जागरूकता अभियान चलाया गया। साथ ही नवोन्मेशी कार्य करते हुये निराकृत सामग्रियों से ह्यवेस्ट टू वेल्थह्य (कलाकृतियाँ) पर प्रदर्शनी लगाई गई। वाराणसी मंडल के आजमगढ़, वाराणसी सिटी, बनारस, बलिया, भटनी, बेलथरा रोड, छपरा, देवरिया सदर, गाजीपुर सिटी, मऊ, सुरेमनपुर, सीवान एवं प्रयागराज रामबाग स्टेशनों पर स्वच्छता अभियान चलाकर ह्यस्वच्छ प्रसाधन एवं स्वच्छ पर्यावरणह्य थीम के अन्तर्गत प्रसाधनों की गहन सफाई की गई तथा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया। इज्जतनगर मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर प्रेशर मशीन से जन प्रसाधन की सफाई की गई। लीकेज पाइप्स, ड्रेनेज सिस्टम आदि की मरम्मत की गई। साथ ही दिव्यांगजन प्रसाधनों की सफाई की गई तथा आवश्यक सुधार किये गये। ह्यवेस्ट टू वेल्थह्य (कलाकृतियाँ) पर प्रदर्शनी लगाई गई।

बालिका सशक्तिकरण से ही राष्ट्र निर्माण सम्भव: डा. प्रदीप

बालिका दिवस

शक्तिनगर, सोनभद्र। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ एनटीपीसी परिसर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई प्रथम एवं तृतीय की ओर से शनिवार को अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर परिचर्चा आयोजित की गई। इस मौके पर आयोजित समारोह की अध्यक्षता कर रहे संस्था के प्रभारी डॉ० प्रदीप यादव ने कहा कि आज का दिन बालिकाओं के लिए काफी महत्वपूर्ण है। बालिकाएं अपने कर्तव्य एवं अधिकार के प्रति सजग होकर देश के विकास में सहभागी बने। बालिकाएं हर क्षेत्र में अपना परचम लहरा रही हैं, केवल उन्हें अवसर एवं सम्मान देने की आवश्यकता है। विशिष्ट वक्ता विश्वविद्यालय परिसर के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ० मानिकचंद पांडेय ने कहा कि एनटीपीसी परिसर जनजातीय क्षेत्र में बालिका सशक्तिकरण में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यहां की छात्राएं देश के विभिन्न भागों में अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर रही हैं। कार्यक्रम का संचालन करते हुए कार्यक्रम अधिकारी डॉ० छोटे लाल प्रसाद ने बालिका सशक्तिकरण और जन उपयोगी शिक्षा के क्षेत्र में एनटीपीसी परिसर की छात्राओं के प्रदर्शन को सराहा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं अध्यापक गण उपस्थित रहे और अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम अधिकारी डॉ० विनोद पांडेय ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर ज्योति, पल्लवी, हिमांशु, प्रभा सोंधिया, पूनम कुमारी, खुशबू, पूजा, शालिनी, सलोनी, राजन, ज्योति कुमारी सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने थाना समाधान दिवस पर की जनसुनवाई

समाधान दिवस

मिर्जापुर। थाना समाधान दिवस पर जिलाधिकारी पवन गंगवार एवं अपर पुलिस अधीक्षक नक्सल मनीष मिश्रा ने थाना चील्ह पर आने वाले फरियादियों की समस्याओं को सुना एवं सम्बंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने पुलिस अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि आने वाले फरियादियों से विनम्र व्यवहार रखते हुए उनकी समस्याओं को सुनते हुए त्वरित न्याय दिलाए जिससे लोगों में पुलिस के प्रति अच्छा संदेश जाए। आगामी त्यौहारों को देखते हुए पुलिस अधिकारी क्षेत्रों में भ्रमणशील रहते हुए पेट्रोलिंग करे। थाना दिवस के उपरान्त जिलाधिकारी ने थाना में ही बनाए गए मिशन शक्ति केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने बनाए गए रजिस्टर का अवलोकन तथा पुलिस अधिकारियों से वार्ता कर जानकारी लिया। उन्होंने कहा कि स्कूलों में कार्यशाला का आयोजन करते हुए स्कूली बच्चियों को जागरूक किया जाए कि कैसे वे अपनी सुरक्षा स्वंय कर सकें तथा बनाए हेल्प लाइन नम्बर का पोस्टर, पम्पलेट के माध्यम से प्रचार प्रसार करते हुए महिलाओं व बालिकाओं में जागरूकता लाई जाए।

इसी क्रम में उपजिलाधिकारी सदर गुलाब चन्द्र एवं नायब तहसीलदार द्वारा थाना कोतवाली शहर, उपजिलाधिकारी द्वारा थाना को0 कटरा, लालगंज, ड्रमण्डगंज व अदलहाट, नगर मजिस्ट्रेट द्वारा थाना विन्ध्याचल, क्षेत्राधिकारी सदर व तहसीलदार द्वारा थाना को0 देहात, नायब तहसीलदार द्वारा थाना कछवां, तहसीलदार द्वारा थाना पड़री व हलिया, अपर जिलाधिकारी व नायब तहसीलदार द्वारा थाना जिगना, उपजिलाधिकारी व क्षेत्राधिकारी चुनार द्वारा थाना चुनार पर सम्बन्धित प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षगण व राजस्व विभाग द्वारा थाने पर आने वाले आमजन की समस्याएं सुनकर मौके पर निस्तारण कराया तथा शेष मामलों के निस्तारण हेतु राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम को मौके पर रवाना किया।

01, 03 एवं 05 नवम्बर, 2025 को चलने वाली 15707 कटिहार-अमृतसर एक्सप्रेस वाराणसी मंडल में 35 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन परिचालनिक सुगमता हेतु झिलाही-मोतीगंज स्टेशनों के मध्य इंजीनियरिंग कार्य के परिप्रेक्ष्य में ब्लॉक दिये जाने के कारण गाड़ियों का रि-शिड्यूलिंग एवं नियंत्रण निम्नवत किया जायेगा।

रि-शिड्यूलिंग-

-पूर्णिया कोर्ट से 13, 15, 20, 22, 27 एवं 29 अक्टूबर तथा 03 एवं 05 नवम्बर, 2025 को चलने वाली 05579 पूर्णिया कोर्ट-आनन्द विहार टर्मिनल विशेष गाड़ी पूर्णिया कोर्ट से 03 घंटे 30 मिनट रि-शिड्यूल कर चलाई जायेगी।

-मानसी से 12, 14, 16, 19, 21, 23, 26, 28 एवं 30 अक्टूबर तथा 02, 04 एवं 06 नवम्बर, 2025 को चलने वाली 04453 मानसी-नई दिल्ली विशेष गाड़ी मानसी से 02 घंटे रि-शिड्यूल कर चलाई जायेगी।

-कटिहार से 15, 22 एवं 29 अक्टूबर तथा 05 नवम्बर, 2025 को चलने वाली 05736 कटिहार-अमृतसर विशेष गाड़ी कटिहार से 01 घंटा 30 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।

नियंत्रण-

-कटिहार से 13, 15, 18, 20, 22, 25, 27 एवं 29 अक्टूबर तथा 01, 03 एवं 05 नवम्बर, 2025 को चलने वाली 15707 कटिहार-अमृतसर एक्सप्रेस वाराणसी मंडल में 35 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर विशाल मानसिक स्वास्थ्य शिविर आयोजित

शिविर

प्रतापगढ़। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर डॉ सोने लाल पटेल स्वशासी राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय में ह्लविशाल मानसिक स्वास्थ्य शिविरह्ल का आयोजन जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम टीम ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 ए0एन0 प्रसाद एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा0 शैलेन्द्र कुशवाहा ने रैली को हरी झंडी दिखाकर किया। चारु नर्सिंग कालेज और एजुकेशन के 250 से ज्यादा बच्चों द्वारा मानसिक स्वास्थ्य के बारे में लोगों को जागरूक करने हेतु मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यलय से चौक घंटाघर, पंजाबी मार्केट तक रैली निकालकर प्रचार-प्रसार किया गया। शिविर का उद्घाटन भाजपा जिलाध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव व विधायक सदर प्रतिनिधि अरूण मौर्य ने किया। शिविर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ ए0 एन0 प्रसाद ने शिविर में उपस्थित जनसमूह और विभागीय कर्मचारियों को विभिन्न प्रकार के मानसिक रोग बारे मे विस्तार से बताया। डॉ अमित कुमार सहायक प्रोफेसर द्वारा मानसिक स्वास्थ्य संबंधित बीमारियों एवं लक्षणों, मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम 2017 के बारे में जानकारी दी गई। डॉ ज्ञानेंद्र मौर्या चिकित्सा अधिकारी ने कार्यस्थल पर कैसे तनाव मुक्त होकर कार्य करें, के बारे में विस्तार से बताया। मनोरोग सामाजिक कार्यकर्ता मुकेश मौर्या ने समाज मे व्याप्त भ्रांति को समाप्त करने के लिए प्रेरित किया गया एवम मानसिक रोग से ग्रसित मरीजों के सामाजिक उत्थान के लिए सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं के बारे में विस्तार से बताया। शिविर में चिन्हित किये गये मानसिक विकारों से पीड़ित मरीजों का चिकित्सकीय परीक्षण करते हुये बताया गया कि मानसिक रोग विभाग की ओ0पी0डी0 मेडिकल कॉलेज के जिरियाट्रिक कक्ष में प्रतिदिन प्रातः 8 बजे से अपरान्ह 2 बजे और मानसिक स्वास्थ्य टेली मानस टोल फ्री नम्बर 14416 (247) पर कोई समस्या होने पर सम्पर्क करने को बताया गया। भाजपा जिलाध्यक्ष ने सरकार द्वारा दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दिया जिसके बाद भाजपा जिलाध्यक्ष व विधायक सदर प्रतिनिधि ने मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले छात्र-छात्राओं को सर्टिफिकेट एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

इमरजेन्सी वार्ड के चिकित्सकों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला सम्पन्न

प्रशिक्षण

चंदौली। राहत आयुक्त कार्यालय एवं जिला आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में जनपद चन्दौली के विकास भवन सभागार में सर्पदश न्यूनीकरण कार्यक्रम के अन्तर्गत इमरजेन्सी वार्ड चिकित्सकों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला हुआ। सर्पदंश न्यूनीकरण कार्यक्रम के अर्न्तगत जिलाधिकारी चन्द्र मोहन गर्ग/अध्यक्ष जिला आपदा प्रबन्ध प्राधिकरण के दिशा निर्देशन एवं अपर जिलाधिकारी(वि०/राङ्ग) राजेश कुमार की देख-रेख में मुख्य चिकित्साधिकारी युगल किशोर राय के समन्वय से राज्य स्तर से प्रशिक्षित 05 क्लिनिकल मास्टर ट्रेनरों द्वारा, 55 आपातकालीन वार्ड चिकित्सकों का दिनाक 08.10.2025 को विकास भवन सभागार जनपद चन्दौली में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ, सरस्वती वदना एवं द्वीप प्रज्वलन से जिलाधिकारी चन्द्र मोहन गर्ग ने किया। जिलाधिकारी द्वारा प्रशिक्षण में आये प्रतिभागियों को सर्पदंश न्यूनीकरण का महत्व समझाते हुए स्पष्ट शब्दों में बताया कि इस प्रशिक्षण के उपरान्त सर्पदश के मामलो में दिया जाने वाला उपचार व्यवस्थित एवं ससमय हो। इसके लिए आने वाले समय में फील्ड लेवल कार्यकताओं का प्रशिक्षण कराया जायेगा। जनता को सर्पदंश के मामलों में फैली अन्तियों को दूर करने हेतु जागरुक किया जायेगा। इस कार्यक्रम के अर्न्तगत सर्प बचावकताओं का नेटवर्क तैयार किया जायेगा, जो भविष्य में घरों, पशुशालाओं, स्कूलों, सर्वाजनिक स्थलों अथवा ऐसे स्थान जहा पर सर्प के होने से मानव अथवा पशुओं को नुकसान होने की संभावना हो। ऐसी स्थिति में सर्प को बधाकर उनके सुरक्षित आश्रय स्थलों के तरफ छोड़े जाने जाने की व्यवस्था होगी। जनसमान्य के सुविधा हेतु सर्पदंश/सर्प दिखाई देने के स्थिति में सहायता हेतु सरकार द्वारा निःशुल्क हेल्प लाइन नम्बर 1070 जारी किया गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) राजेश कुमार ने किया। सर्पदंश न्यूनीकरण के प्रथम चरण में विगत वर्षों के सर्पदश से हुई घटनाओं का विवरण देते हुए इसके न्यूनीकरण की कड़ी में इस कार्यक्रम के महत्व को समझाया। मुख्य चिकित्साधिकारी डा० युगल किशोर राय ने सर्पदंश विलनिकल प्रबन्धन पर विस्तृत जानकारी दिया। डा ०निशान्त उपाध्याय, डा० सौरभ जायसवाल, डा० अरविन्द एवं डा० संजीव ने निर्धारित प्रशिक्षण सत्रों के अनुसार इमरजेन्सी वार्ड डाक्टरों का प्रशिक्षण कराया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रभारी अधिकारी (आपदा) विजय त्रिवेदी, आपदा सलाहाकार मो० गफ्फार हुमायूँ, आपदा विशेषज्ञ प्रीती, शिखा श्रीवास्तव, आपदा लिपिक चन्द्रकान्त सहित डीडीएमए की टीम उपस्थित रही।

त्योहारों के दृष्टिगत खाद्य सुरक्षा विभाग ने चलाया जांच अभियान

अभियान

मुगलसराय। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन उत्तर प्रदेश लखनऊ एवं जिलाधिकारी द्वारा जारी आदेश के क्रम में पर्व एवं त्योहार के मद्देनजर जनपद चंदौली में खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा कमल निवास त्रिपाठी मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी के नेतृत्व में मिलावट के विरुद्ध सघन अभियान चलाकर प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है। जनपदीय टीम द्वारा मुगलसराय कस्बे के अलीनगर स्थित पनीर, दही, खोया की दुकान का निरीक्षण कर कुल दो नमूनों का एवं मुगलसराय कस्बे में स्थित राज वैभव स्वीट हाउस से गुलाब जामुन, बूंदी का लड्डू एवं बर्फी का नमूना संकलित किया गया। विभाग द्वारा जनपद में मिलावट के संभावित स्थानों से अभिसूचना एकत्रित की जा रही है। दीपावली का त्यौहार मुख्यतः मिठाइयों का त्यौहार है।खोया में मिलावट होने से आम जनमानस को स्वास्थ्य से संबंधित परेशानियों का सामना करना पड़ता है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन के सहायक आयुक्त खाद्य-कक कुलदीप सिंह ने बताया कि आम जनमानस मिठाइयां को खरीदते समय उसकी क्वालिटी के संबंध में यह अवश्य जांच कर लें कि उस मिठाई में नकली चांदी वर्क या ज्यादा रंगों का प्रयोग तो नहीं किया गया है। ऐसी मिठाइयों को खाने से बचें। आम जनमानस से अनुरोध है कि किसी भी प्रकार की मिलावट की सूचना के संबंध में शिकायत विभाग के मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी के मोबाइल नंबर 8887890254 पर दर्ज कराएं। विभाग द्वारा उस पर त्वरित कार्यवाही संपादित कराई जाएगी। जनपद की किराना एवं मिठाई की दुकानों पर खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा फूड सेफ्टी कनेक्ट एप चिपकाया जा रहा है जिससे आम जनमानस अपनी शिकायत उस पर भी दर्ज करा सके।

स्मृति मंधाना ने पूरे 5000 वनडे रन, दुनिया की पांचवीं और दूसरी भारतीय महिला

विशाखापत्तनम। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले में प्रतिका रावल और स्मृति मंधाना ने भारत को दमदार शुरूआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 155 रनों की साझेदारी हुई। इस दौरान मंधाना ने 46 और प्रतिका ने 69 गेंदों में अर्धशतक पूरे किए। मंधाना ने अपने 33वें वनडे अर्धशतक के साथ तमाम उपलब्धियां हासिल कर लीं। भारतीय महिला टीम की उपकप्तान और स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना रविवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ धमाकेदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 80 रनों की शानदार पारी खेलकर रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी। बाएं हाथ की बल्लेबाज ने वनडे में 5000 रन पूरे कर लिए और दुनिया में पांचवीं व भारत के लिए ऐसा करने वाली दूसरी बल्लेबाज बन गईं। बता दें कि, भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच महिला विश्व कप का 13वां मुकाबला विशाखापत्तनम में खेला जा रहा है। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली ने टॉस जीतकर मेजबानों को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया है।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने किया किसना के नए शोरूम का उद्घाटन

लखनऊ(संवाददाता)। भारत की अग्रणी डायमंड और गोल्ड ज्वेलरी ब्रांड किसना ने आज उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के इंदिरा नगर में अपने नए एक्सक्लूसिव शोरूम का भव्य उद्घाटन किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और हरी कृष्णा ग्रुप के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक घनश्याम ढोलकिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। त्योहारों के इस खास मौके पर किसना अपने ग्राहकों के लिए शानदार ऑफर्स लेकर आया है कृ डायमंड ज्वेलरी के मेकिंग चार्ज पर 75 प्रतिशत तक की छूट, गोल्ड ज्वेलरी के मेकिंग चार्ज पर 25 प्रतिशत तक की छूट, और इसके साथ आईसीआईसीआई बैंक के क्रेडिट व डेबिट कार्ड पर 5 प्रतिशत का अतिरिक्त इंस्टेंट डिस्काउंट। इसके अलावा, ब्रांड ने एक खास शॉप एंड विन स्कीम भी शुरू की है, जिसके तहत ग्राहक हीरे और सोने के आभूषण की खरीद पर 1000.स्कूटर और 200.कारें जीतने का मौका पा सकते हैं। हरी कृष्णा ग्रुप के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक घनश्याम ढोलकिया ने कहा, ह्ललखनऊ अपनी समृद्ध संस्कृति और कला के प्रति प्रेम के लिए जाना जाता है। उत्तर प्रदेश में हमारी बढ़ती उपस्थिति इस बात का प्रमाण है कि ग्राहकों ने किसना पर जो भरोसा और प्यार दिखाया है, वह हमारी सबसे बड़ी पूंजी है। हमारा विजन हर घर किसना है कृ ताकि देश की हर महिला तक सुंदर और किफायती डायमंड ज्वेलरी पहुंच सके। पराग शाह, निदेशक, किसना ने कहा, ह्ललखनऊ में हमारे नए शोरूम की शुरूआत किसना की विकास यात्रा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। हम ग्राहकों को भरोसे, गुणवत्ता और उत्कृष्ट डिजाइन पर आधारित एक शानदार शॉपिंग अनुभव देना चाहते हैं, जिससे उनके त्योहार और भी यादगार बनें। सुधीर और प्रतीक राय, फ्रेंचाइज पार्टनर्स, किसना ने कहा, ह्लकिसना के साथ जुड़ना हमारे लिए गर्व की बात है। इस शोरूम के माध्यम से हम ग्राहकों को विश्वस्तरीय ज्वेलरी अनुभव देना चाहते हैं जो पारदर्शिता, उत्कृष्टता और खुशियों से भरा हो।ह्व समाज के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाते हुए, किसना ने उद्घाटन के अवसर पर ब्लड डोनेशन कैंप, भोजन वितरण और वृक्षारोपण अभियान भी आयोजित किया। किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी के बारे में 2005 में लॉन्च हुआ किसना ब्रांड, हरी कृष्णा ग्रुप का प्रमुख डायमंड और गोल्ड ज्वेलरी ब्रांड है। किसना के आज देशभर में 28 राज्यों में 1,500 से अधिक डिस्ट्रीब्यूशन पॉइंट्स और 100 से ज्यादा एक्सक्लूसिव शोरूम्स हैं। कंपनी डायमंड्स की एथिकल सोर्सिंग करती है कृ यानी खदान से लेकर बाजार तक हर कदम पर पारदर्शिता रखती है। किसना की रेंज में रिंग्स, ईयररिंग्स, पेंडेंट्स, मंगलसूत्र, नेकलेस, बैंगल्स, ब्रेसलेट्स, नोज पिन्स और पुरुषों की ज्वेलरी शामिल है, जो 14केटी और 18केटी गोल्ड में उपलब्ध है। सभी प्रोडक्ट्स आईजीआई सर्टिफाइड और बीआईएस हॉलमार्क्ड हैं। कंपनी डायमंड ज्वेलरी पर 90ः बायबैक और 95ः एक्सचेंज वैल्यू (मेकिंग चार्ज सहित) भी देती है।

निजीकरण के विरोध में 16 को सभी जनपदों में सभा

लखनऊ(संवाददाता)। उप्र राज्य विद्युत परिषद अभियंता संघ के तत्वावधान में लखनऊ में आयोजित ह्लचिन्तन मंथन शिविर - संदर्भ निजीकरणह्व में अभियंताओं ने पॉवर कारपोरेशन द्वारा दिए गए निजीकरण के विकल्प को एक स्वर में खारिज कर दिया और संकल्प लिया कि निजीकरण के विरोध में आन्दोलन और तेज किया जायेगा तथा निजीकरण के विरोध में संघर्ष तब तक जारी रहेगा जब तक निजीकरण का निर्णय वापस नहीं लिया जाता। अभियंता संघ के चिन्तन मंथन शिविर में निर्णय लिया गया कि दीपावली पर्व पर रिकॉर्ड बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु बिजली अभियन्ता अतिरिक्त प्रयास कर उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करेंगे। अभियन्ता संघ के निर्देश पर दीपावली के पहले 16 अक्टूबर को सभी जनपदों में इस हेतु अभियन्ता संघ की सभा होगी जिसमें दीपावली पर्व के दौरान रिकॉर्ड बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु योजना बनाई जायेगी और इसे क्रियान्वित किया जायेगा। चिन्तन मंथन शिविर में मुख्य वक्ता आल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन के चेयरमैन शैलेन्द्र दुबे ने पावर कारपोरेशन के चेयरमैन डॉ आशीष गोयल द्वारा पूर्वांचल और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण के बाद दिए जाने वाले विकल्पों का विस्तार से विश्लेषण कर उसे खारिज कर दिया। उन्होंने विकल्प के तीनों बिन्दुओं निजी कंपनी की नौकरी ज्वॉइन कर लें, अन्य निगमों में वापस आ जाएं और स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति ले लें, का विश्लेषण करते हुए यह बताया कि तीनों ही विकल्प बिजली कर्मियों के भविष्य को बर्बाद कर देंगे अतः निजीकरण किसी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। शिविर को संबोधित करते हुए शैलेन्द्र दुबे, जितेन्द्र सिंह गुर्जर, आलोक श्रीवास्तव, जगदीश पटेल ने बिजली इंजीनियरों को निजीकरण से होने वाली क्षति से अवगत कराया और आह्वान किया कि निजीकरण का टेंडर होते ही सामूहिक जेल भरो आन्दोलन की तैयारी की जाए। यह संकल्प लिया गया कि निजीकरण के विरोध में 319 दिन से चल रहा आंदोलन तब तक जारी रहेगा जब तक निजीकरण का निर्णय वापस नहीं लिया जाता। लखनऊ में शिविर के दौरान ही यह चर्चा भी हुई कि विद्युत वितरण क्षेत्रों में की जा रही वर्टिकल रिस्ट्रक्चरिंग का उद्देश्य फ्रेंचाइजी के जरिये निजीकरण करना है।

संक्षिप्त खबरें

कार की टक्कर से युवक की मौत

लखनऊ(संवाददाता)। राजधनी लखनऊ में कार की टक्कर से एक युवक की मौत हो गई। वह प्राइवेट कैंटीन में ड्यूटी के बाद बाइक से घर लौट रहा था। घर पहुंचने से पहले गांव के बाहर ही कार सवार ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। परिजनों ने उसे गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया जहां उसे डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। दुर्घटना नगराम थाना क्षेत्र के समेसी गांव की है। मृतक की पहचान सत्यदेव शुक्ला के बेटे अतुल कुमार शुक्ला (35) के रूप में हुई। अतुल मोहनलालगंज में एक प्राइवेट कैंटीन में काम करता था। वह शनिवार शाम करीब 6 बजे ड्यूटी के बाद घर आ रहा था। गांव के बाहर गांव के ही सतगुरु ने उसे कार से टक्कर मार दी। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराया। उसके बाद रविवार दोपहर जैसे अतुल का शव गांव पहुंचा लोगों ने जाम लगा दिया। परिजन नारेबाजी करते हुए ड्राइवर को सख्त से सख्त सजा दिलाने और मुआवजे की मांग करने लगे। मौके पर थाने से पुलिस पहुंची। एसीपी मोहनलालगंज रजनीश वर्मा ने परिजनों को मनाने की कोशिश की।

वैदिक सेना का कन्हैया कुमार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

लखनऊ(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ रविवार को हजरतगंज स्थित गांधी प्रतिमा पर वैदिक सेना ने विरोध प्रदर्शन किया। वैदिक सेना के प्रमुख श्याम नारायण भार्गव के नेतृत्व में कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार के खिलाफ नारेबाजी हुई। प्रदशनकारियों ने कहा कि कन्हैया कुमार ने अछूत शब्द का इस्तेमाल करके ब्राह्मण समाज का अपमान किया है। श्याम नारायण भार्गव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और उसके नेता लगातार ब्राह्मण समाज का अपमान कर रहे हैं। कन्हैया कुमार ने जिस प्रकार अछूत शब्द का इस्तेमाल करते हुए समाज पर टिप्पणी की है यह बेहद शर्मनाक है। ब्राह्मण के एक वर्ग पर इस प्रकार की टिप्पणी बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। श्याम भार्गव ने कहा कि कांग्रेस प्रवक्ता कन्हैया कुमार ने महाब्राह्मण (महापात्र) को सार्वजनिक मंच से अछूत शब्द से संबोधित कर अपमानित किया है। इससे महाब्राह्मण समाज सामाजिक रूप से आहत हुआ है। वैदिक सेना कन्हैया कुमार के विरुद्ध समुचित धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की मांग कर रहा है। कन्हैया कुमार पर करवाई करने में लापरवाही बरती गई, तो संगठन यूपी समेत पूरे देश में महाआंदोलन किया जाएगा। लोकतंत्र और आजादी का यह बिल्कुल भी मतलब नहीं है कि किसी भी समाज का कोई अपमान कर दे। सामाजिक मयार्दाओं में रहकर अपनी बात कहने का सबको अधिकार है, मगर अधिकारों के नाम पर किसी का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सेंट्रल बार एसोसिएशन पदाधिकारियों के चौंबर तोड़े

लखनऊ(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के सिविल कोर्ट परिसर में रविवार को तब तनाव फैल गया जब सेंट्रल बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं के चौंबर प्रशासनिक कार्रवाई के तहत तोड़ दिए गए। बिना किसी पूर्व सूचना या नोटिस के हुई इस कार्रवाई से वकीलों में जबरदस्त आक्रोश देखने को मिला। अधिवक्ताओं ने इसे मनमानी और गैरकानूनी कार्रवाई करार देते हुए जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई और क्षतिग्रस्त चौंबरों के पुनर्निर्माण की मांग की है। रविवार सुबह करीब 10 बजे के आसपास न्यायालय परिसर के उस हिस्से में प्रशासनिक टीम पहुंची, जहां सेंट्रल बार के अधिवक्ताओं के चौंबर बने थे। टीम ने कुछ चौंबरों को अवैध निर्माण बताकर गिरा दिया। इस दौरान कई वकील मौके पर पहुंचे और विरोध जताया। कुछ अधिवक्ता वहीं धरने पर बैठ गए तो कुछ ने प्रशासनिक अफसरों से बहस की। वकीलों का कहना है कि किसी तरह की पूर्व सूचना या नोटिस नहीं दिया गया था, जिससे उन्हें अपना सामान या फाइलें तक निकालने का मौका नहीं मिला। घटना के बाद पूरे कोर्ट परिसर में वकीलों के बीच भारी नाराच्गी है। कई अधिवक्ता समूहों ने शाम तक प्रदर्शन की चेतावनी दी। फिलहाल पुलिस बल तैनात है और माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है। सेंट्रल बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कहा कि यह कार्रवाई पूरी तरह से नियमों के विपरीत है। एक वरिष्ठ अधिवक्ता ने कहा, हम वर्षों से यहां प्रैक्टिस कर रहे हैं। यह चौंबर सिर्फ काम की जगह नहीं बल्कि हमारी रोजी-रोटी का केंद्र है। बिना कोई नोटिस दिए इसे तोड़ना न सिर्फ गैरकानूनी बल्कि निंदनीय भी है। वकीलों ने कहा कि यदि इस कार्रवाई की जांच नहीं कराई गई और दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो वे बार काउंसिल और उच्च न्यायालय के समक्ष प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे।

पटाखा बाजारों में चेकिंग,पुलिस और बीडीडीएस टीम ने जांच की, मॉडड्रिल हुई

लखनऊ(संवाददाता)। दीपावली की आहट के साथ ही राजधानी में पटाखों की दुकानों ने रंग जमाना शुरू कर दिया है, लेकिन प्रशासन अब पूरी तरह सतर्क हो गया है। प्रदेश के कई जिलों में हाल में हुए पटाखा हादसों के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी जिलाधिकारियों और पुलिस अधिकारियों को सख्त निर्देश जारी किए हैं। बिना लाइसेंस, असुरक्षित या अवैध रूप से संचालित किसी भी पटाखा बाजार को बख्शा नहीं जाएगा। इसी निर्देश के तहत रविवार को लखनऊ के दुबग्गा इलाके में पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम ने औचक छापा मारा। टीम में बीडीडीएस (बम निरोधक दस्ते) के सदस्य भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने दुकानों और गोदामों की एक-एक करके जांच की। इस दौरान वहां मौजूद फायर इक्विपमेंट, निकास व्यवस्था और सुरक्षा मानकों की भी गहन पड़ताल की गई। टीम ने दुकानदारों से उनके लाइसेंस और स्टॉक विवरण की जांच की। जिन दुकानों में सुरक्षा उपकरण नदारद मिले, वहां अधिकारियों ने मौके पर ही चेतावनी दी। बताया गया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही या अवैध भंडारण पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान मॉकड्रिल भी हुआ।

राजधानी में 59 केंद्रों पर पीसीएस-प्री का पेपर संपन्न,एआई से की गई निगरानी

लखनऊ(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में 59 केंद्रों पर पीसीएस-प्री का पेपर हुआ। इन सेंटर्स पर 27456 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। सभी सेंटर्स पर बड़ी चेकिंग के बाद ही अंदर जाने दिया गया। एआई से भी परीक्षा पर नजर रखी गई। नेशनल पीजी कॉलेज में पुलिस अधिकारी भी ड्यूटी पर रहे। पहली शिफ्ट में आशियाना के महाराजा बिजली पासी पीजी कॉलेज के गेट 8.45 बजे गेट बंद कर दिए गए। इसके बाद पहुंचे अभ्यर्थियों को अंदर नहीं जाने दिया गया। सी-एसएटी का ये स्क्रीनिंग पेपर है। 2 घंटे में 100 सवाल करने थे। 1/3 की नेगेटिव मार्किंग थी। क्वालीफाई करने के लिए 33 सवाल सही होने चाहिए। मेरिट में इसके नंबर नहीं जुड़ेंगे। पेपर 9.30 बजे से शुरू होगा। लखनऊ के सेंटर पर तय समय 8.45 बजे गेट बंद कर दिए गए। इसके बाद पहुंचे किसी भी अभ्यर्थी को अंदर नहीं जाने दिया गया। प्रयागराज से एक अभ्यर्थी आशियाना स्थित महाराजा बिजली पासी पीजी कॉलेज के गेट पर 8.50 बजे पहुंचा। उसे गेट से लौटा दिया गया। उन्नाव से बड़ी बहन को पेपर दिलाने लाए अर्पित पांडेय ने बताया कि सही तरीके से चेकिंग हुई है। परेशान करने वाली चेकिंग नहीं हुई। परीक्षा केंद्र में कोई असुविधा नहीं है। पहली पाली की परीक्षा के बाद दूसरी पाली की परीक्षा ढाई बजे से शुरू होगी। उन्नाव से आए मोहम्मद अतीक ने बताया कि बहन को पीसीएस का एग्जाम दिलाने लाए हैं। पहले भी ये एग्जाम दिया था। इस बार ऑनलाइन लाइन क्लास और टेस्ट सीरीज के साथ तैयारी की है। उम्मीद है कि बेहतर रिजल्ट रहेगा। परीक्षा केंद्र पर कोई समस्या नहीं हुई।

बलरामपुर के वार्ड ब्वाय ने जांच अधिकारी पर दबाव बनाने का लगाया आरोप

लखनऊ(संवाददाता)। बलरामपुर अस्पताल में संविदा कर्मचारी से नौकरी के नाम पर वसूली का मामला थमता नहीं दिख रहा है। अब इस मामले में जांच अधिकारी पर पीड़ित शिकायतकर्ता पर धमकाने और शिकायत वापस लेने का दबाव बनाने का आरोप लगा है। भयभीत पीड़ित का वीडियो वॉयरल हो रहा है। वॉयरल वीडियो की समाचार पुष्टि नहीं करता है। पीड़ित की मांग है कि आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर 40 हजार रुपए वापस करवाते हुए उसे न्याय दिलाया जाए। बलरामपुर अस्पताल में आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को वसूली के लिए परेशान किया जा रहा है। वार्ड ब्वॉय पद पर तैनात प्रमोद कुमार वाजपेयी कर्मचारियों को सुरक्षाकर्मी बनाने की धमकी देकर 40 हजार रुपए वसूलने का मामला प्रकाश में आया। शिकायत के बाद अस्पताल प्रशासन ने जांच के आदेश दिए। मामले की जांच होने तक आउटसोर्स सुपरवाइजर को पद से हटा दिया गया है। जांच चल रही है। इसी बीच अब मामले में पीड़ित प्रमोद का एक वीडियो वॉयरल हुआ है। वीडियो में प्रमोद ने आरोप लगाया है कि जांच कर रहे अफसर उस पर शिकायत वापस लेने और उस पर ही कार्रवाई करने का दबाव बना रहे हैं। साथ ही मांग की है कि मामले की सही से जांच हो। आरोपी सुपरवाइजरों के खिलाफ कार्रवाई हो और उसके 40 हजार रुपए वापस कराए जाएं।

बहराईच में लड़की के साथ ऑनर किलिंग होने का आरोप

लखनऊ(संवाददाता)। अखण्ड आर्यावर्त आर्य त्रिदंडी महासभा ने उत्तर प्रदेश के बहराईच में मुस्लिम परिवार पर लड़की की ऑनर किलिंग किये जाने का आरोप लगाते हुये राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से दफनाये गये शव को निकाल कर पोस्टमार्टम कराये जाने की मांग की है, ताकि इस मामले का सच सामने लाया जा सके और दोषियों को सजा दी जा सके। ऑनर किलिंग की शिकार लड़की के पिता अपराधिक प्रवृति के होने के कारण इस मामले की शिकायत भारत नमन पार्टी के जिलाध्यक्ष अमित कुमार द्वारा मुख्यमंत्री के शिकायत पोर्टल पर करने के बाद भी पुलिस रफा-दफा करने का प्रयास कर रही है। अखण्ड आर्यावर्त आर्य त्रिदंडी महासभा ने चेतावनी देते हुये कहा कि इस मामले में जल्द ही कार्यवाही नहीं की गयी तो वह सड़क पर उतरने के लिये बाध्य होगी। महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी ने मुख्यमंत्री को भेजे गये पत्र में कहा गया है कि बहराइच के थाना मोतीनगर थानान्तर्गत ग्राम अन्डाहन पुरवा परसोहना की रहने वाली 18 वर्षीय फरीन शनिया अपने मनपसन्द लड़के से विवाह करना चाहती थी, लेकिन परिवारवालों के लाख मना करने के बाद जब वह नहीं मानी तो अपराधिक प्रवृत्ति के उसके पिता कमाल खॉ ने अपने अन्य पारिवारिक सदस्यों के साथ मिलकर बीते 23 सितम्बर की रात उसकी हत्या कर दी और अगले दिन 24 सितम्बर की सुबह 10 बजे से पहले बिना पुलिस को सूचना दिये, पोस्टमार्टम भी नहीं कराया और गांव अन्डाहन पुरवा के कब्रिस्तान में दफना दिया। श्री त्रिवेदी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि लड़की के परिवारीजनों ने जिस तरह से आनन-फानन में लड़की की मौत के बाद उसे दफनाना अपने आप में संदेह पैदा करता है कि उसकी हत्या की गयी है। श्री त्रिवेदी ने मुख्यमंत्री को भेजे गये पत्र में कहा है कि इस मामले में लडकी की मौत का सामना लाने के लिये लड़की के शव को निकालकर उसका पोस्टमार्टम कराया जाये, ताकि उसकी मौत का सच सामने लाया जा सके।

जीरो टॉलरेंस नहीं, जीरो काम वाली सरकार है: अखिलेश यादव

लखनऊ(संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को भाजपा सरकार पर महिलाओं की सुरक्षा में विफलता को लेकर बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार महिलाओं, दलितों और आम नागरिकों को सुरक्षा देने में पूरी तरह नाकाम रही है। अखिलेश यादव ने यह बयान एनसीआरबी (राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो) की रिपोर्ट के हवाले से दिया, जिसमें महिलाओं के खिलाफ अपराधों में भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। लखनऊ में मीडिया से बातचीत करते हुए सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा सरकार के नौ सालों में अपराध, भ्रष्टाचार और अन्याय का ग्राफ लगातार बढ़ा है। उन्होंने कहा, ह्लभाजपा अपनी विफलता को छिपाने के लिए आंकड़ों का खेल खेल रही है, लेकिन सच्चाई यह है कि महिलाएं और दलित सबसे ज्यादा असुरक्षित हैं। उन्होंने हाल ही में रायबरेली में हुई दलित युवक की हत्या का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार पूरी तरह मौन है। अखिलेश ने आरोप लगाया कि भाजपा के ह्लजीरो टॉलरेंसह्व के दावे झूठे और दिखावटी हैं। उन्होंने कहा कृ ह्लयह सरकार जीरो टॉलरेंस नहीं बल्कि जीरो काम वाली सरकार है। पुलिस व्यवस्था पूरी तरह राजनीति के दबाव में है, झूठे मुकदमे और मनमानी कार्रवाई ही भाजपा शासन की पहचान बन गई है। अखिलेश यादव ने आगे कहा कि भ्रष्टाचार हर विभाग में गहराई तक फैला है, एक लेखपाल के पास 100 करोड़ की संपत्ति होना इस सरकार की असलियत उजागर करता है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार आरक्षण छीन रही है, विदेशी कंपनियों को बाजार सौंप रही है और ह्लस्वदेशीह्व का केवल नारा लगा रही है। व्यापारियों से मुनाफा कमाने दो और फिर उन्हीं से चंदा लो, यही भाजपा का नया राष्ट्रवाद है,ह्व उन्होंने तंज कसा।

संदिग्ध हालत में मिला राजगीर का शव,15 दिन पहले बना था पिता

लखनऊ(संवाददाता)। बंथरा थाना क्षेत्र में रविवार सुबह एक राजगीर मिस्त्री का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। मृतक की पहचान जतिन (27) के रूप में हुई है, जिसके सिर पर गंभीर चोटों के निशान थे। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। जतिन मूल रूप से बंथरा के रहीम नगर पड़ियाना स्थित बिल्लौच गढ़ी का रहने वाला था। वह पिछले लगभग चार महीने से अपनी पत्नी रागनी के साथ उन्नाव जिले के अचलगंज थाना अंतर्गत बलऊ खेड़ा में रह रहा था। जतिन की शादी करीब एक साल पहले हुई थी और 15 दिन पहले ही उसकी पत्नी रागनी ने एक बच्चे को जन्म दिया था। रविवार सुबह करीब 6 बजे बंथरा स्थित जतिन के पैतृक घर से लगभग 500 मीटर दूर सड़क किनारे एक व्यक्ति का शव पड़ा मिला। राहगीरों ने शव देखकर ग्रामीणों को बताया, जिसके बाद भीड़ जमा हो गई। जतिन की मां मंजू देवी ने मौके पर पहुंचकर शव की पहचान अपने बेटे जतिन के रूप में की। पुलिस के अनुसार, शुरूआती जांच में जतिन की मौत सड़क दुर्घटना में होने की आशंका है। हालांकि, गांव में यह चर्चा है कि जतिन की हत्या कर शव यहां फेंका गया है। मृतक की पत्नी रागनी ने बताया कि जतिन शनिवार सुबह करीब 9 बजे मजदूरी करने जाने की बात कहकर घर से निकला था।

निकाय कार्मिकों का कालाफीता आन्दोलन

लखनऊ(संवाददाता)। दस सूत्रीय मांगों को लेकर आन्दोलनरत स्थानीय निकाय कर्मचारी महासंघ प्रदेश स्तरीय धरने के उपरान्त अब काला फीता बॉधकर विरोध दर्ज करायेगा। महासंघ के अध्यक्ष शशि कुमार मिश्रा के मुताबिक 16 अक्टूबर को शासन से वार्ता के उपरान्त प्राप्त निर्णयों के आधार पर कार्य बहिश्कार की घोशणा की जाएगी। श्री मिश्रा के अनुसार 16 अक्टूबर तक क्योकि इस दिन शासन स्तर पर एक बैठक बुलाई गयी है,यदि उपरोक्त बैठक में कोई सार्थक निर्णय नही लिया जाता तो अन्य बृहत आन्दोलन जिसमें क्रमिक अनशन आदि पर विचार किया जायेगा। चूंकि दिए गए ज्ञापन में महासंघ के अनुसार 13 अक्टूबर से काला फीता व अन्य ध्यानाकर्षण आन्दोलन अनवरत रूप से 9 नवम्बर 25 तक किया जायेगा। शशि मिश्रा ने बताया कि प्रदेश के लाखों लाख निकाय कार्मिकों की अकेन्द्रीयत सेवा नियमावली न बनाये जाने के कारण आज किसी भी संवर्ग की समय रहते पदोन्नति एवं पुनर्गठन तथा वेतन विसंगति आदि का समाधान नहीं हो पा रहा है। वर्ष 2001 तक सेवारत दैनिक वेतन, संविदा कर्मचारियों हेतु जारी प्रदेश सरकार के शासनादेश दिनांक 24 फरवरी, 2016 के अन्तर्गत निकाय कर्मचारियों का अभी तक नियमितीकरण नहीं हो सका। दैनिक वेतन, संविदा के साथ-साथधारा-108 पर कार्यरत कर्मचारियों के विनियमितीकरण हेतु कर्मिक अनुभाग-1 के शासनादेश संख्या-11ध्2021ध13ध3ध2021- का-1-2021 दिनांक दिसम्बर, 2021 को जारी अधिसूचना के अन्तर्गत नियुक्तियों का विनियमितीकरण (चतुर्थ संशोधन नियमावली, 2021) के द्वारा की गयी व्यवस्था के अनुसार नगर विकास विभाग द्वारा अब तक उपरोक्त शासनादेश को अंगीकृत करते हुए प्रभावी नहीं किया गया जिसके कारण प्रदेश के अन्य निकायों के शासनादेशों के अनुरूप नगर निगम में कार्यरत तदर्थध्धारा-108 के कर्मचारियों का विनियमितीकरण नहीं हो सका। 6वें वेतन आयोग की संस्तुतियों के पश्चात निकायों के लिपिक संवर्ग, राजस्व संवर्ग सहित सभी संवर्गों के वेतन विभाग एवं सातवें वेतन आयोग प्रभावी होने के बाद इन संवर्गों की वेतन पदोन्नति, वेतन भत्ते एवं संवर्गों का पुर्नगठनध्उद्धीकरण राज्य कर्मचारियों की भाँति सेवामान,एवं अन्य सुविधाएँ नहीं मिल रही हैं जैसे लिपिक संवर्ग- कनिष्ठ सहायक ग्रेड पे- 2000,वरिष्ठ सहायक ग्रेड पे-2800 एवं मुख्य सहायक ग्रेड पे-4200, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ग्रेड पे-4800 एवं सेवामान के कम मुख्य प्रधान प्रशासनिक अधिकारी ग्रेड पे-5400 दिया जाय ताकि उन्हें पूरी सेवाकाल में कम से कम तीन पदोन्नति के अवसर प्राप्त हो सके।

उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक ऑफिसर्स एवं वर्कर्स ऑगेर्नाइजेशन का प्रथम संयुक्त अधिवेशन सम्पन्न

लखनऊ(संवाददाता)। आज लखनऊ के निराला नगर स्थित माधव सभागार में उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक ऑफिसर्स एवं वर्कर्स ऑगेर्नाइजेशन और भारतीय मजदूर संघ द्वारा आयोजित प्रथम संयुक्त अधिवेशनष का आयोजन किया गया। अधिवेशन का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए क्षेत्र प्रचारक पूर्वी उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अनिल जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक ऑफिसर्स एवं वर्क्स ऑगेर्नाइजेशन और भारतीय मजदूर संघ द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र की जनता विशेष कर किसानों, खेतिहर मजदूरों को उचित बैंकिंग सुविधा देना है, सरकार का भी यही प्रयास है कि ग्रामीण क्षेत्र में बैंकिंग सुविधा आसानी से सुलभ हो। कार्यक्रम को को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि ग्रामीण बैंक प्रदेश की अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत है आज हम ग्रामीण बैंकों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र की जनता को आधुनिक बैंकिंग सुविधा दे रहे हैं। ग्रामीण बैंक के अधिकारियों और कर्मचारिओं से अ वहां किया कि वे गांव के प्रत्येक घर तक बैंकिंग सुविधाओं को पहुंचाएं। उन्होंने कर्मचारियों और अधिकारियों से कहा कि देश और प्रदेश की सरकार आपके हितों की रक्षा के लिए हमेशा तैयार खड़ी है। उद्घाटन सत्र में क्षेत्रीय संगठन मंत्री, भारतीय मजदूर संघ (दिल्ली, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश) अनुपम जी, कार्यवाहक अध्यक्ष, भारतीय मजदूर संघ, उत्तर प्रदेश राकेश सिंह , प्रदेश महामंत्री, भारतीय मजदूर संघ अनिल उपाध्याय ने वर्तमान परिस्थितियों में संगठन के योगदान एवं देश की अपेक्षाओं पर प्रकाश डाला। अपने संबोधन में अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक, यादव सिंह ठाकुर ने कहा कि। 7 अप्रैल 2025 को भारत सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के तहत उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक का गठन हुआ आज हमारे प्रदेश के सभी 75 जनपदों में 4500 से ज्यादा शाखाएं हैं जहां 19233 अधिकारी और कर्मचारी कार्यरत हैं और हमारा व्यवसाय है 2 लाख करोड़ से ज्यादा का है उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक देश का सबसे बड़ा बैंक है और व्यवसाय के नजरिए से यह 12वें नंबर पर आता है। हमारा निरंतर प्रयास है कि हम ग्रामीण क्षेत्रों में अच्छी बैंकिंग सुविधा दे सकें। उपाध्यक्ष, अखिल भारतीय अधिकारी संगठन ललित सिंह ने ने कहा कि हाल ही में सरकार द्वारा एक राज्य एक ग्रामीण बैंक के समामेलन को राष्ट्रीय ग्रामीण बैंक के गठन की दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम है। इस दौरान प्रमोशन एवं अप्वाइंटमेंट रूल्स 2010 में संशोधन बाय स्केल 4 की पुनर्व व्याख्या और स्पांसर बैंकों के समकक्ष भत्तों एवं अन्य लाभों की मांग की गई। प्रभारी भारतीय ग्रामीण बैंक अधिकारी संगठन राजेंद्र शर्मा और सचिव, अखिल भारतीय अधिकारी संगठन धीरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि यह अधिवेशन और उत्तर प्रदेश ही नहीं बल्कि पूरे देश भर के ग्रामीण बैंक कर्मचारियों की आवाज को सशक्त बनाएगा तथा उनके अधिकारों एवं मांगों के लिए एक संगठित मंच प्रदान करेगा। इस अवसर पर प्रदेश भर से आए ग्रामीण बैंकों के 800 से ज्यादा अधिकारी और कर्मचारी वह अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

एक्सीलिया में डांडिया धमालह्व का रंगारंग आयोजन

लखनऊ(संवाददाता)। एक्सीलिया स्कूल में शनिवार शाम उत्साह और उमंग से भरपूर ह्यडांडिया धमाल ह्व का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती को नमन करने के पश्चात पूर्व चेयरमैन सर डी.एस. पाठक के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया, तत्पश्चात चेयरमैन पुनीत पाठक एवं मंजू पाठक, डायरेक्टर आशीष पाठक, शालिनी पाठक, प्रधानाचार्या मीनू श्रीवास्तव, मेंटर श्री कृष्ण मिश्रा, सलाहकार प्रवीण पाण्डे के द्वारा दीप प्रज्वलन करके किया गया, जिससे पूरे वातावरण में सकारात्मकता और ऊर्जा का संचार हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों से हुई, जिसमें नृत्य, संगीत और समूह प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया। विद्यालय परिसर को रंग-बिरंगी रोशनी और सजावट से सजाया गया, जिससे पूरा वातावरण उत्सवमय हो उठा। तत्पश्चात मुख्य आकर्षण रहा ह्यडांडिया धमाल, जिसमें विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों ने एक साथ गरबा और डांडिया की ताल पर थिरककर कार्यक्रम को यादगार बना दिया।

सम्पादकीय

बिहार में चुनाव दिल्ली में खलबली

बिहार चुनाव को लेकर पूरे देश में हलचल है। जिस तरह टिकट बटवारे को लेकर घमासान मचा है उसके कारण दिल्ली तक खलबली मची हुई है। चुनाव की दस्तक के साथ ही देश की राजनीति के साथ ही बिहार की राजनीति फिर से उबाल पर है। एनडीए और इंडिया गठबंधन दोनों ही खेमों में टिकट बंटवारे को लेकर जबरदस्त खींचतान और बीच में सुराजपार्टी की दस्तक ने बिहार चुनाव को दिलचस्प बना दिया है। सत्ता की इस जंग में विचारधारा, गठबंधन धर्म और सीटों का गणित सब एक बार फिर से परखे जा रहे हैं। एनडीए में भाजपाॅ जदयू और एलजेपी (रामविलास) के बीच तालमेल बनाने के लिए हर आसन लगाए जा रहे है। मुख्यमंत्री नीतीश और भाजपा केंद्रीय नेतृत्व सीटों के वितरण अभी भी असंमजस बना हुआ है। चिराग पासवान की पार्टी भी बहुत ही खास सीटों पर दावा ठोंक रही है। ऐसे में गठबंधन के भीतर सामंजस्य बनाए रखना भाजपा के लिए बड़ी चुनौती है। जदयू की अपनी चिंता यह है कि एनडीए में उसका प्रभाव कम हो रहा है। इंडिया गठबंधन में भी सब कुछ ठीक नहीं है। राजद कांग्रेस और वाम दलों के बीच सीटों को लेकर विवाद दिख रहा है। राजद अपने वोट बैंक और बड़े जनाधार के बल पर अधिक सीटें चाहती है। जबकि कांग्रेस और वाम दल अपने कद के अनुरूप सीटें मांग रहे है। गठबंधन की एकता का दावे में सीटों को लेकर अंदरूनी असहमति साफ झलक रही है। यही वजह है कि कई पत्राने नेता अब पाला बदलने की तैयारी में हैं। राजनीतिक अवसरवाद से मतदाताओं निराशा भी पैदा कर रहा है। मतदाता अब मुद्दो से ज्यादा नेताओं की आपसी खींचतान देखने को मजबूर हैं। बिहार की जनता जातिपाति, क्षेत्र और परिवार वाद से उठकर अब विकास रोजगार और शिक्षा जैसे मुद्दो पर जवाब चाहती है। ऐसे में बिहार चुनाव में इस बार प्रशांत किशोर की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। 2025 के 18 वीं बिहार विधानसभा चत्नाव के लिए बिहार में राजनीतिक दलों के बीच सरगर्मी तेज हो चुकी है। बिहार में विधानसभा की कत्त्ल 243 सीटे हैं। इनमें 38 सीटें अनुसूचित जाति और 2 अनूसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं। बिहार में चुनाव का जिक्र हो और जाति की चर्चा ना हो ऐसा हो नहीं सकता। यही कारण है कि चुनाव में सभी राजनीतिक दल व्यक्ति से ज्यादा जाति को महत्व देकर टिकट बांटते हैं। टिकट वितरण के पैमाने में जाति निर्णायक भूमिका अदा करती है। ब्रह्ण, राजपूत, भूमिहार, कायस्थ, यादव, कोयरी, कुर्मी, पासी, धानुकॉर, पासवान, डोम व मल्लाह आदि जातियों से राजनीतिक दल चुनाव में उम्मीदवार खड़े करते हैं। राजद का वोट बैंक मुस्लिम और यादव समीकरण से मजबूत हैं लेकिन पिछले चुनाव में ओवैसी की एआईएमआईएम से पांच विधायक जीत कर आये तो यह चर्चा होने लगी की राजद का मुस्लिम वोट बैंक अब राजद से दूर जा रहा है, लेकिन राजद ने ओवैसी के चार मुस्लिम विधायकों को अपने पाले में कर लिया। दूसरी तरफ एनडीए में भाजपा का सवर्ण, जदयू का पिछड़ा वर्ग, चिराग पासवान का दलित, जीतनराम मांझी का महादलित वोट मिलकर गठबंधन को मजबूत करता है। चरम की स्थिति में बढ़ते बिहार में तेजस्वी यादव जहां एंटी इनकंबेसी फैक्टर को भुनाने की कोशिश कर रहे हैं और राहुल गांधी के साथ वोट चोरी का मुद्दा उठा रहे हैं। नीतिश कुमार ने वोटरों को साधने की कोशिश में मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत बिहार की एक करोड़ 21 लाख महिलाओं के खाते में दस हजार रुपए दिये। बिहार सरकार की ओर से पहले ही चरणबद्ध तरीके से पैसों का वितरण करने के लिए तारीखों किया गया। विपक्षी दलों का आरोप है कि चुनाव के तुरंत पहले ये एक तरह से वोट खरीदने की चाल है। प्रशांत किशोर द्वारा बिहार भाजपा के नेताओं के भ्रष्टाचार पर खुलासे के साथ ही उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की शैक्षणिक योग्यता पर भी सवाल उठाए। कुल मिलाकर चुनाव भले ही बिहार में चल रहे हो खलबली पूरे देश मे है। बहरहाल इस बार के विधानसभा चुनाव केवल नेताओं की परीक्षा नहीं होंगी, बल्कि यह भी तय करेंगे कि बिहार की जनता अब भी पुराने समीकरणों पर भरोसा करती है या वह बदलाव की ओर बढ़ना चाहती है। टिकटों की इस जंग में जो दल जनहित को प्राथमिकता देगा वही जनता के दिल तक पहुंचेगा। बिहार की राजनीति का भविष्य आखिरकार जनता के हाथ में है और यही इस लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है। पिछले चुनावों की अपेक्षा इस चुनाव में बिहार का मतदाता पूरे देश को अलग संकेत देगा।

महामारी का सबब बन सकते हैं बर्फ से निकलते दैत्य

ग्लेशियरों में मौजूद बैक्टीरिया या वायरस जीवन के चिन्ह माने जाते हैं लेकिन इनसे बीमारियां-महामारियां पैदा करने का जोखिम भी जुड़ा है। जलवायु परिवर्तन या मानवीय हस्तक्षेप से यदि बर्फ पिघले तो अनुकूल वातावरण पाकर ये सूक्ष्मजीव पुनरू सक्रिय या जीवित हो सकते हैं। वैज्ञानिक चेतावनी दे चुके हैं कि वे मनुष्यों को संक्रमित कर सकते हैं। एक शोध के दौरान अलास्का की हजारों साल पुरानी बर्फ पिघलाने के बाद वायरस जीवित हुए भी। तेजी से ध्रुवों पर बर्फ पिघल रही है जिसमें पड़े संक्रामक सूक्ष्मजीवों का सक्रिय होना संकटकारी है। इस दिशा में अनदेखी से हजारों साल पुरानी महामारियों के वापस आने की आशंका है जो इंसानी जीवन के लिए तबाही का सबब बन सकती है। अभी हमें नहीं मालूम कि हमारी पृथ्वी से परे इस ब्रह्मांड में कहीं और जीवन है या नहीं। लेकिन तमाम उपग्रहों, अंतरिक्ष वेधशालाओं और रेडियो संकेतों की छानबीन के बाद विज्ञानियों का मत है कि मंगल ग्रह या कहीं और धरती से परे जीवन की कोई संभावना सूक्ष्मजीवों (बैक्टीरिया या वायरस) आदि के रूप में हो सकती है। मुमकिन है कि जिन ग्रहों-उपग्रहों पर बर्फ और पानी का तनिक भी अस्तित्व हो, वहां ऐसे सूक्ष्मजीव मिल सकते हैं जो जीवन पनपा सकें। नमी, गर्म मौसम और वायुमंडल में ऑक्सीजन सरीखी गैसें- जिंदगी पैदा करने के लिए यही सब कुछ तो चाहिए। जरूरत इतनी सी है कि इन सूक्ष्मजीवों को (अगर वे पृथ्वी से बाहर कहीं हैं, तो) किसी तरह सक्रिय यानी जीवित किया जा सके। पर हमारी पृथ्वी को जीवन के स्पंदन से भरने वाले बैक्टीरिया या वायरस की शक्ल वाले इन सूक्ष्मजीवों (माइक्रोऑर्गेनिज्म) की एक भूमिका और भी है। इनका दूसरा पहलू असंख्य बीमारियों और महामारियों को पैदा करने से जुड़ा है। पानी, हवा और जमीन के दृश्यमान माहौल से अलग पृथ्वी की अतल गहराइयों, बर्फ की कंदराओं और चट्टानी दरारों तक में मौजूद सूक्ष्मजीवों को अगर मौका मिले तो शायद वे पूरी कायनात को ही पलट कर रख दें। कोविड महामारी के दौर से ही ऐसी आशंकाएं सिर उठा रही हैं। इधर अमेरिका के कोलोराडो बोल्डर विश्वविद्यालय के शोधकताओं ने अलास्का (आर्कटिक) की 40 हजार साल पुरानी बर्फ (पर्माफ्रॉस्ट-मिट्टी, बर्फ और चट्टानों का मिश्रण) के कुछ नमूनों को क्या पिघलाया, वे यह देखकर हैरान रह गए कि हजारों साल तक बर्फ में फंसे और जमे रहे सूक्ष्मजीव धीरे-धीरे जीवित हो गए। हालांकि सूक्ष्मजीवों का यह पुनर्जीवन कोई अच्छी खबर लेकर नहीं आया है। माना जा रहा है कि किसी साइंस-फिक्शन हॉरर फिल्म की तरह, ये प्राचीन संक्रामक सूक्ष्मजीव किसी जानवर पर आश्रित होकर अगली मानव महामारी का कारण बन सकते हैं। यह नई सूचना दशकों से प्रचलित उस मान्यता को स्थापित करते हुए प्रतीत हो रही है, जिसमें यह चेतावनी दी जाती रही है कि धरती की गहरी परतों में कैद प्राचीन बर्फ को छेड़ा न जाए क्योंकि इसके अंजाम बहुत बुरे हो सकते हैं। न तो उसकी खुदाई की जाए और न ही ऐसे हालात पैदा किए जाएं, जिससे यह खुद-ब-खुद पिघलने लगे। अलास्का में पृथ्वी की सतह से 350 फुट नीचे जिस इलाके से कोलोराडो विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों

ने नए नमूने जमा किए हैं, वहां 1960 के दशक में भी खुदाई की गई थी। पर्माफ्रॉस्ट सुरंग के रूप में विख्यात इस जगह पर अति प्राचीन समय के विशालकाय जानवरों की हड्डियां जस की तस मौजूद हैं। यहां से लिए गए सूक्ष्मजीवों (बैक्टीरिया से समूह) के नमूनों को पानी के बीच 39 से 54 फॉरेनहाइट तापमान रखकर जगाने की कोशिश की गई। छह महीने तक चले प्रयोगों के बीच पाया गया कि शुरूआत में इन बैक्टीरिया समूहों की बढ़वार बेहद धीमी थी, लेकिन इन्हीं में से कुछ ने अपने इर्दगिर्द एक पतला, चिपचिपा पदार्थ बनाना शुरू कर दिया। इस पदार्थ को बायोफिल्म के रूप में जाना जाता है, जो वायरस और बैक्टीरिया की रक्षा करता है और उन्हें फैलने में मदद कर सकता है। विज्ञानियों ने इसका नतीजा यह निकाला कि गर्म और नम माहौल देने पर बर्फ में सदियों तक जमे रहे सूक्ष्मजीव कुछ ही महीनों में जीवित और सक्रिय हो सकते हैं। यही असली खतरा है। पर्यावरणविद् और मौसम विज्ञानी जलवायु परिवर्तन के नतीजे में पृथ्वी के ध्रुवों पर जमी बर्फ को तेजी से पिघलते हुए देख रहे हैं। ऐसे में बैक्टीरिया और वायरस के रूप में जो असंख्य सूक्ष्मजीव सदियों से बर्फ की कैद में सोते रहे हैं, वे अचानक बर्फ पिघलने पर वहां से छिटककर धरती पर फैल सकते हैं और एक नई तबाही मचा सकते हैं। खतरा अवास्तविक नहीं है। हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के शोधकताओं का मत है कि बर्फ में दबे और सोते हुए बैक्टीरिया सदियों तक पोषक तत्वों, गर्मी या प्रकाश के बिना जीवित रह सकते हैं। ऐसे सूक्ष्मजीवों को मृत मानना एक गलती हो सकती है। बल्कि सदियों के अंतराल के बाद भी ये अभी भी ऐसे मजबूत जीवन को आश्रय देने में सक्षम हैं जो कार्बनिक पदार्थों को तोड़कर नए सिरे से पैदा हो सकता है। संकट यह है कि करीब 55 लाख वर्ग मील में फैला अलास्का (आर्कटिक) का यह बर्फीला इलाका वर्ष 1979 के बाद से पृथ्वी के किसी और इलाके के मुकाबले तीन से चार गुना ज्यादा तेजी से गर्म हुआ है। जलवायु परिवर्तन के कारण अभूतपूर्व तरीके से पिघल रही आर्कटिक की बर्फ के बारे मेंएक अनुमान यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी का भी है। इस एजेंसी के मुताबिक पृथ्वी की सतह पर मौजूद इस इलाके के पर्माफ्रॉस्ट का दो-तिहाई हिस्सा वर्ष 2100 तक पिघलकर गायब हो सकता है। पर्माफ्रॉस्ट के पिघलने से हमारे ग्रह को गर्म करने वाली ग्रीनहाउस गैसें कार्बन डाइऑक्साइड और मीथेन निकलती हैं, जिससे समस्या और बढ़ जाती है। अमेरिका के एक अन्य विश्वविद्यालय- एमआईटी के शोधकताओं का आकलन बताता है कि दुनिया के पर्माफ्रॉस्ट में 1,500 अरब टन कार्बन है - जो वर्तमान में वायुमंडल में मौजूद कार्बन की मात्रा से लगभग दोगुना है। यह भी बर्फ के पिघलते ही मानव सभ्यता की मुसीबतों में कई गुना बढ़ोतरी कर सकता है। पर्माफ्रॉस्ट से फूट पड़ने वाले वायरसों की आशंकाओं को लेकर कुछ ही समय पहले संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम की मुख्य वैज्ञानिक एंड्रिया हिनवुड ने एक टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि अभी यह कहना मुश्किल है कि इन घटनाओं से हमें कितना चिंतित होना चाहिए। इसकी एक अहम वजह यह है कि अभी तक किसी प्राचीन वायरस से किसी महामारी के व्यापक प्रसार का जोखिम कम माना जाता है। लेकिन रोगाणुओं का फिर से उभरना केवल एक सैद्धांतिक खतरा नहीं है। इस बारे में मेडिकल यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ कैरोलिना के शोधकर्ता डगलस जॉनसन का मत है कि एक प्राचीन वायरस पुनः सक्रिय होकर मनुष्यों को संक्रमित कर सकता है। वैज्ञानिकों ने कुछ वर्ष पहले तथाकथित जॉम्बी वायरस के एक पुराने प्रकार को पुनर्जीवित किया था। हालांकि अभी तक एकाध मामलों को छोड़कर ज्यादातर पुनर्जीवित हुए वायरस केवल अमीबा को ही संक्रमित कर पाए हैं। इसकी वजह यह है कि ऐसे पुनर्जीवित वायरस नई परिस्थितियों में जीवित रहने के हिसाब से बहुत नाजुक होते हैं। लेकिन कुछ उदाहरण हैं, जो इसके संकट को जाहिर करते हैं। जैसे वर्ष 2016 में भीषण गर्मी के कारण साइबेरियाई इलाके में पर्माफ्रॉस्ट पिघला, तो वहां सदियों से बर्फ में जमे एक बारहसिंगा का शव बाहर आ गया। इस बारहसिंगा की मौत एंथ्रेक्स जीवाणु के प्रकोप से हुई थी। बाहर आए बारहसिंगा के शव में मौजूद एंथ्रेक्स के जीवाणुओं ने 2016 में इलाके में मौजूद बारहसिंगाओं और कई मनुष्यों को संक्रमित कर बीमार कर दिया था। इसी तरह 2019 ने आर्कटिक समुद्री बर्फ में पिघलन की घटना से उत्तरी प्रशांत महासागर में मौजूद ऊदबिलावों ने फोसीन डिस्टेंपर वायरस के उभार का खतरा पैदा कर दिया। माना गया कि प्राकृतिक बर्फ अवरोध के नष्ट होने से इस वायरस की संवाहक सील मछली अन्य समुद्री स्तनधारियों के साथ संपर्क में आ गई। वर्ष 2022 में, फ्रांसीसी शोधकताओं ने साइबेरियाई पर्माफ्रॉस्ट से एक अज्ञात वायरस को पुनर्जीवित किया। इनमें सबसे पुराना वायरस 48,500 साल पहले का था और अमीबा को संक्रमित करने में सक्षम था। प्राचीन वायरसों का सामने आकर हम इंसानों के लिए इस तरह खतरा बन जाने की एक मुख्य वजह है। कारण यह है कि हजारों साल तक निष्क्रिय पड़े रहे इन सूक्ष्मजीवों (वायरस) से मानव प्रतिरक्षा प्रणाली (इम्यून सिस्टम) का कोई संपर्क नहीं रहा। इससे इंसानों में इनके खिलाफ इम्युनिटी पैदा नहीं हो पाई या फिर इनसे बचाव के लिए कोई उपाय नहीं बन पाया। हालांकि प्राचीन वायरसों की वापसी के लिए बर्फ का जलवायु परिवर्तन के कारण पिघलना ही अकेली वजह नहीं है। आर्कटिक में शिपिंग और खनन आदि बढ़ती औद्योगिक गतिविधियां भी लोगों को पर्माफ्रॉस्ट से फूट निकलने वाले सूक्ष्मजीवों के संपर्क में लाती हैं। जैविक कारकों के अलावा पर्माफ्रॉस्ट के पिघलने से कई और दिक्कतें पैदा होती हैं। जैसे ऐतिहासिक शीत युद्ध युग के दौरान शीत भंडारण गृहों में रखे गए रसायनों की लीकेज, भारी धातुओं और रेडियोधर्मी कचरे के विकिरण से भी पर्यावरणीय समस्याएं पैदा हो सकती हैं। साथ ही, जलवायु परिवर्तन समूचे पारिस्थितिकी तंत्र में वे बदलाव ला सकता है, जिनसे विभिन्न पशु-प्रजातियों के बीच नए किस्म की अंतःक्रियाओं के चलते जूनोसिस यानी जानवरों से मनुष्यों में फैलने वाली बीमारियों के फैलने की रफ्तार बढ़ सकती है।

वेद,उपनिषद पुराणों दिव्य आलोक से प्रदीप्त होता वैश्विक क्षितिज

संजीव ठाकुर

भारतीय ऋग्वेद अथर्ववेद और अनेक वेदों में इतनी शक्ति ऊर्जा और अर्थ छुपा हुआ है कि उसका अध्ययन मनन और चिंतन करने से भारत विश्व गुरु बनने की क्षमता रखता है। भारत की योग विद्या पूरे विश्व में अमेरिका सहित यूरोप में अपनाई गई है। यह अलग बात है कि कुछ देशों के प्रशासको द्वारा अपनी सनक एवं विस्तार वादी मानसिकता के कारण यूक्रेन में युद्ध की स्थिति बन कर पूरे विश्व में वैश्विक युद्ध की संभावनाएं बन गई हैं। इसका हल मी भारतीय संस्कृति संस्कारों में छुपा हुआ है उसे बस अपनाने की जरूरत है। भारतीय संस्कृति आज महावीर तथा बुध के पूरे विश्व में करोड़ों अनुयाई हैं, और दोनों ने श्रम तथा सार्थकता को जीवन में अपनाने को ही महत्व दिया था। सफलता उनके लिए मिथ्या के बराबर ही थी। गुरु नानक देव द्वारा प्रतिपादित सरबत दा भला, हो या महात्मा गांधी का सर्वोदय, ईसा मसीह की करुणा, मोहम्मद साहब, टैगोर का मानवतावाद या नेहरू का अंतरराष्ट्रीय राष्ट्रवाद जीवन के श्रम तथा सार्थकता की खोज में बड़े महत्वपूर्ण उदाहरण हैस व्यक्तिगत और पारिवारिक स्तर पर देखा जाए तो महज रोजगार की तलाश विवाह संतानोत्पत्ति,बच्चों का भरण पोषण तथा सेवानिवृत्ति ही जीवन नहीं है। इसमें सामुदायिक श्रम और सार्थकता का समावेश होना समीचीन हैस हालांकि इस बात में कोई दो मत नहीं कि पारिवारिक उत्तरदायित्व का निर्वहन समाजिक मूलभूत आवश्यकता हैस पर इसके साथ साथ कुछ ऐसा सार्थक श्रम किया जाना चाहिए जो न केवल आत्मिक संतोष का अनुभव प्रदान करें, बल्कि सामाजिक हित और वैश्विक शांति में भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दें, और समाज को दिशा देने वाली कोई परिणति समाज के सम्मुख प्रकट हो। जससे समाज के लोगों का जीवन परिष्कृत होस इसी संदर्भ में राजा राममोहन राय, ईश्वर चंद्र विद्यासागर, सर सैयद अहमद खान,दयानंद सरस्वती, विवेकानंद ने हमेशा सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध अभियान चलाकर जीवन में श्रम तथा सार्थकता का महत्व बढ़ाकर सामाजिक कुरीतियों को दूर करने का प्रयास किया था। यह स्पष्ट रूप से दिखाई देता है कि जीवन की असली खोज श्रम सार्थकता की उपलब्धि ना होती और तथाकथित सफलता के शिखर पर व्यक्ति बैठ जाता है और शांत हो जाता,तो सफलता के शिखर पर बैठे बिलगेट, वारेन बुफेट जैसे लोग अपनी अकूत संपत्ति का बड़ा भाग सामाजिक उद्देश्य के लिए दान नहीं करते। सुंदरलाल बहुगुणा चिपको आंदोलन चलाकर जल तथा पर्यावरण संरक्षण की बात नहीं करते। कैलाश सत्यार्थी बचपन बचाओ आंदोलन के माध्यम से बाल संरक्षण के अधिकारों का झंडा बुलंद नहीं कर पाते। थॉमस अल्वा एडिसन, आइंस्टीन,मैडम क्यूरी और राइट बंधुओं के श्रम और सार्थकता के प्रयास में ही सफलता का परचम फैलाया है। पर इन सब के पीछे उनकी असाध्य मेहनत और दिमागी सार्थकता ही मुख्य कारक बन कर उन्हें उत्प्रेरित करती रहे है। पर दूसरी तरफ यह भी सत्य है कि जीवन में सार्थकता की खोज सफलता के अभाव में संभव नहीं है। क्योंकि श्रम और सार्थकता का महत्व तभी तक है जब तक वह सफल ना हो,परंतु सफलता ही मनुष्य की अंतिम परिणति नहीं होनी चाहिए। अन्यथा जीवन में मानवीय मूल्यों का महत्व नगण्य में होने की संभावना बनी रहती है। अतः श्रम मेहनत और सार्थकता समेकित रूप से मिलकर एक बड़ी सफलता को जन्म देते हैं। श्रम तथा सार्थकता तभी प्राप्त होती है, जब सफलता का आधार प्राप्त हो जाए। पर मूलत सफल होना ही पर्याप्त नहीं है। और जीवन की असली खोज निरंतर श्रम तथा सार्थकता है। केवल सफलता आपको अस्थाई तथा तत्कालिक मानसिक शारीरिक सुख प्रदान कर सकती है। पर चिरस्थाई तथा आत्मिक संतोष के लिए उसमें श्रम तथा सार्थकता का समावेश होना अत्यंत आवश्यक होता है। अगर वह समाज के लिए एक आदर्श तथा उपयोगी मार्गदर्शक बन सकता है। इसलिए जीवन में केवल सफलता के पीछे ना जाकर श्रम, मेहनत और सार्थकता अत्यंत आवश्यक पहलू हैं।

आजादी के 78 वर्षों में कितने बदले लोकतंत्र के हालात?

देश-दुनिया की निगाहे माइनिंग सेक्टर तो एग्रेसिव मोड पर राजस्थान

अमेरिका कभी कनाडा को अमेरिका का राज्य ही बनाने में जुटा है तो यूक्रेन की खनिज संपदा अपने नाम करवाने या रुस पर दबाव बनाने के पीछे धरती के गर्भ में समाई खनिज संपदा ही है। खनिज संपदा पर आज दुनिया के देशों की नजर है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बौखलाहट से एक बात साफ हो जानी चाहिए कि आज अमेरिका ही नहीं दुनिया के अन्य देशों के लिए भी धरती के गर्भ में समाई खनिज संपदा महत्वपूर्ण हो गई है। अमेरिका चाहे यूक्रेन पर दबाव बना रहा हो या कनाड़ा को राज्य के रुप में घोषित कर अमेरिका में मिलाने की छटपटाहट हो या अन्य देशों की और भ्रकुटी तानने या मेल मिलाप के प्रयास हो सब कुछ इस खनिज संपदा को लेकर ही है। आज चाइना की मोनोपोली देखने को मिल रही है उसका बड़ा कारण भी उसके पास रेयर अर्थ एलिमेंट सहित आज के बदलते युग की मांग को पूरी करने वाली पुरासंपदा के अथाह भण्डार के कारण ही है। ऐसे में वैसे तो दुनिया के देश खनि संपदा को लेकर गंभीर है वहीं हमारे देश में भी केन्द्र और राज्य सरकारें खनिज खोज, खनन और खनिज आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने की कमर कस ली है। ऐसे में राजस्थान सरकार भी माइनिंग सेक्टर प्रोएक्टिव भूमिका निभाते हुए आगे आया है। वर्तमान सरकार खासतौर से मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा को खनन क्षेत्र में राजस्थान को अग्रणी प्रदेश बनाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। राजस्थान की सरकार द्वारा योजनाबद्ध प्रयासों के तहत प्रदेश में खनिज से जुड़े सभी पहलूओं के योजनावद्ध क्रियान्वयन, समन्वय, प्रबंधन, प्रभावी मोनेटरिंग, एक्सप्लोरेशन, राजस्व, निवेश एवं रोजगार बढ़ोतरी, सस्टेनेबल माइनिंग, माइनिंग सेक्टर में देश दुनिया में हो रहे नवाचार और नवीनतम तकनीक और उसके प्रदेश में उपयोग सहित विभिन्न बिन्दुओं को लेकर विभाग द्वारा उच्चस्तरीय परियोजना मोनेटरिंग इकाई (पीएमयू) का गठन किया है। माना जा रहा है कि प्रदेश में क्रिटिकल एवं स्ट्रेटेजिक खनिजों के साथ ही प्रधान व अप्रधान खनिजों के विपुल भण्डारों को देखते हुए पीएमयू के गठन से खनिज क्षेत्र को और अधिक गतिशील बनाया जाएगा। इससे खानें जल्दी परिचालन आने के साथ ही निवेश एवं रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। वैसे भी आने वाले समय में माइनिंग सेक्टर की भूमिका में बड़ा बदलाव आने लगा है। अमेरिकी राष्ट्रप्रति ट्रॅप की छटपटाहट से इसे आसानी से समझा जा सकता है। अमेरिका कभी कनाडा को अमेरिका का राज्य ही बनाने में जुटा है तो यूक्रेन की खनिज संपदा अपने नाम करवाने या रुस पर दबाव बनाने के पीछे धरती के गर्भ में समाई खनिज संपदा ही है। खनिज संपदा पर आज दुनिया के देशों की नजर है। चीन के वर्चस्व का बड़ा कारण उसका आरईई सहित खनिज संपदा पर एकाधिकार ही है और आज चीन के इस वर्चस्व को कम करने में ही जुटे हुए हैं। खैर यह विषयांतर होगा पर एक बात साफ है कि माइनिंग सेक्टर में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व व मार्गदर्शन में तेजी से काम होने लगा है और राजथान ऑक्शन सहित रेवेन्यू अर्जन विकास दर आदि में अव्वल हो गया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा माइनिंग सेक्टर में विपुल संभावनाओं को देखते हुए राजस्थान के माइनिंग सेक्टर को देश में अग्रणी राज्य बनाने पर जोर देते रहे हैं। नई खनिज नीति, एम-सेण्ड नीति, रिप्स में सहायता प्रावधान, एमनेस्टी योजना सहित प्रक्रिया के सरलीकरण और खनन क्षेत्र विकास के महत्वपूर्ण कदम उठाये गये हैं। पीएमयू के गठन के साथ ही खनन क्षेत्र से जुड़ी प्रमुख गतिविधियों को 7 सेक्टरों में चिन्हित किया गया है। प्रमुख सचिव माइन्स टी रविकान्त का मानना है कि सभी क्षेत्रों में समन्वित व तेजी से विकास के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को जोड़ते हुए पीएमयू का गठन किया गया है जिससे योजनावद्ध तरीके से तेजी से आगे बढ़ा जा सके। एक्सप्लोरेशन, ऑक्शन, शीध्र परिचालन, रिसर्च एवं डव्लपमेंट, जीरो लॉस माइनिंग, इकोटूरिज्म की संभावनाओं, पेपरलेस सहित विभिन्न गतिविधियों का समावेश किया गया है। विभाग के वरिष्ठ व विशेषज्ञ अधिकारियों को प्रभारी अधिकारी बनाया गया है। खनिज क्षेत्र से जुड़े 7 प्रमुख सेक्टरों में से पहले एक्सप्लोरेशन व ऑक्शन का बनाया गया है। इस दल द्वारां कोमोडिटी, मिनरल ग्रेड, खनन के प्रकार सहित विभिन्न बिन्दुओं पर कार्य करेगी। यह दल जीएसआई सहित तकनीकी विशेषज्ञों से समन्वय बनाते हुए एक्सप्लोरेशन से ऑक्शन आदि संबंधित कार्यों को और अधिक प्रभावी गति दी जा सकेगी। इसी तरह से ऑक्शन किये गये माइनर और मिनरल ब्लॉकों को जल्द से जल्द परिचालन में लाने के लिए संबंधित स्टेक होल्डर्स व खान विभाग सहित संबंधित विभागों से समन्वय बनाते हुए आवश्यक अनुमतियां दिलाने में सहयोग के साथ ही शीघ्र परिचालन में लाने का कार्य करेगी। विभाग का जोर खनन क्षेत्र में राजस्व बढ़ाने और राजस्व में किसी भी तरह की छीजत को रोकना भी है और इसके लिए एक दल को मोनेटरिंग सहित आवश्यक सभी जिम्मेदारियां दी गई है।

अधिकांश पुलिस जातिवादी और सांप्रदायिक है

एस.आर. दारापुरी

हरियाणा के एक दलित आई.पी.एस. अधिकारी वाई. पूरन कुमार की हालिया आत्महत्या ने एक बार फिर पुलिस संगठन के भीतर जातिगत भेदभाव के सवाल को जन्म दिया है। मैंने उत्तर प्रदेश में 32 वर्षों तक पुलिस विभाग में सेवा की और पाया कि पुलिस न केवल जातिवादी है, बल्कि सांप्रदायिक भी है। ये पूर्वाग्रह न केवल जनता के साथ व्यवहार करते समय, बल्कि संगठन के भीतर भी व्याप्त हैं। मैं नीचे संगठन के भीतर अपने अनुभव पर चर्चा कर रहा हूँ। कुछ समय पहले महाराष्ट्र की एक पुलिस अधिकारी, भाग्यश्री नवटेके का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वह यह शेखी बघारती हुई दिखाई दे रही हैं कि कैसे वह दलितों और मुसलमानों के खिलाफ झूठे मामले दर्ज करती हैं और उन्हें प्रताड़ित करती हैं। यह भारतीय पुलिस बल में सामाजिक पूर्वाग्रहों की एक कच्ची लेकिन सच्ची तस्वीर पेश करता है। यह एक सच्चाई है कि आखिरकार हमारे पुलिसकर्मी समाज से ही आते हैं, इसलिए पुलिस संगठन हमारे समाज का सच्चा प्रतिरूप है। यह सर्वविदित है कि हमारा समाज जाति, धर्म, सांप्रदायिक और क्षेत्रीय आधार पर विभाजित है। इसलिए, जब समाज के लोग पुलिस संगठन में प्रवेश करते हैं, तो वे अपने साथ अपने सभी पूर्वाग्रह और पक्षपात लेकर आते हैं। जब ऐसे लोग सत्ता के पदों पर आसीन होते हैं, तो ये पूर्वाग्रह और भी मजबूत हो जाते हैं। उनकी व्यक्तिगत पसंद-नापसंदय जातिगत और सांप्रदायिक पूर्वाग्रह उनके कार्यों को बहुत मजबूती से प्रभावित करते हैं। ये पूर्वाग्रह अक्सर उनके व्यवहार और कार्यों में उन स्थितियों में प्रदर्शित होते हैं जहाँ अन्य जातियों या समुदायों के लोग शामिल होते हैं। जब मैं 1976 में गोरखपुर में सहायक पुलिस अधीक्षक (एएसपी) के रूप में तैनात था, तब मेरे ध्यान में स्पष्ट जातिगत भेदभाव की स्थिति आई। एएसपी के रूप में मैं रिजर्व पुलिस लाइंस का प्रभारी था। एक मंगलवार को, जो परेड का दिन था, पुलिस मेस का चक्कर लगाते समय मैंने पाया कि कुछ लोग सीमेंट की मेजों और बेंचों पर बैठकर खाना खा रहे थे, जबकि कुछ जमीन पर बैठे थे। मुझे यह अजीब लगा। मैंने एक हेड कांस्टेबल को बुलाया और खाने की इस स्थिति के बारे में पूछताछ की। उन्होंने मुझे बताया कि बेंचों पर बैठे लोग ऊँची जाति के हैं और जमीन पर बैठे लोग नीची जाति के। पुलिस लाइन में जातिगत भेदभाव का यह खुला प्रदर्शन देखकर मैं हैरान रह गया। मैंने इस भेदभावपूर्ण प्रथा को खत्म करने का फैसला किया। इसलिए अगली बार जब मैंने वही स्थिति देखी तो मैंने जमीन पर बैठे पुलिसकर्मियों से उठकर बेंचों पर बैठने को कहा। मुझे एक-दो बार यही दोहराना पड़ा और मैं अलग-अलग खाने की इस भेदभावपूर्ण प्रथा को बंद कराने में कामयाब रहा। संयोग से उसी दौरान मेरे बॉस ने मुझसे अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आयुक्त की 1974 की रिपोर्ट पर एक रिपोर्ट देने को कहा, जिसमें उन्होंने उल्लेख किया था कि पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार की पुलिस लाइंस में अलग-अलग खाने की प्रथा थी। मैंने अपने बॉस को बताया कि यह सच है और मैंने हाल ही में इस प्रथा को खत्म किया है। उन्होंने मुझसे कहा कि मैं बस यह लिख दूं कि अब यह प्रथा नहीं है। मुझे पूर्वी उत्तर प्रदेश के अन्य जिलों के बारे में नहीं पता, लेकिन गोरखपुर जिले में मैंने इसे खत्म कर दिया था। कुछ समय पहले खबर आई थी कि आज भी बिहार पुलिस में न केवल अलग-अलग खाने की प्रथा है, बल्कि ऊंची और नीची जाति के लोगों के लिए अलग-अलग बैरक भी हैं। यह चौंकाने वाली बात है कि यह आज भी जारी है, जबकि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आयुक्त ने 1974 में ही इस भेदभावपूर्ण प्रथा की ओर इशारा किया था। दरअसल, पुलिस बल में उच्च जाति के लोगों का वर्चस्व है और इस तरह की भेदभावपूर्ण प्रथाएँ बेरोकटोक जारी हैं। आरक्षण नीति के कारण ही निम्न जातियों, खासकर अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों (एससी और एसटी) के कुछ लोगों को पुलिस बल में जगह मिली है, जिससे पुलिस बल अधिक धर्मनिरपेक्ष और प्रतिनिधित्वपूर्ण बना है, हालाँकि, अल्पसंख्यकों का प्रतिनिधित्व अभी भी बहुत कम है। फिर भी, पुलिसकर्मियों में जातिगत, सांप्रदायिक और लैंगिक पूर्वाग्रह काफी प्रबल हैं। यह भेदभाव इस वर्ग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ व्यवहार एवं पोस्टिंग आदि में भी परिलक्षित होते हैं। जैसा कि हम जानते हैं कि उत्तर प्रदेश में प्रांतीय सशस्त्र पुलिस के खिलाफ सांप्रदायिक पूर्वाग्रह की शिकायतें अक्सर आती रही हैं। 1979 में जब मैं 34वीं बटालियन पीएसी, वाराणसी में कमांडेंट के रूप में तैनात था, तब मुझे यह बात सच लगी। इस बात का पता चलने पर मुझे अपने जवानों को धर्मनिरपेक्ष बनाने के लिए काफी प्रयास करने पड़े। मैंने हमेशा उन्हें जाति और सांप्रदायिक पूर्वाग्रहों से ऊपर रहने का उपदेश देने का ध्यान रखा। मैं उनसे कहा करता था कि धर्म उनका निजी मामला है और आप केवल वर्दी पहनने पर ही पुलिस के जवान होते हैं और कानून के अनुसार काम करने के लिए आपके कर्तव्य हैं। मेरी लगातार ब्रीफिंग और डीब्रीफिंग का उन पर बहुत अच्छा प्रभाव पड़ा और मैं अपने जवानों को धर्मनिरपेक्ष बनाने में सक्षम रहा। 1991 में वाराणसी में हुए सांप्रदायिक दंगों के दौरान यह बात बिल्कुल स्पष्ट हो गई।

नामीबिया ने टी20 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 4 विकेट से हराकर रचा इतिहास

विंडहोक। शनिवार को डोनोवन फरेरा की अगुआई वाली दूसरी दर्जे की दक्षिण अफ्रीका टीम को हराकर नामीबिया का सपना साकार हो गया। नामीबिया ने आईसीसी के पूर्ण सदस्य के खिलाफ पहली जीत दर्ज की। नामीबिया ने शनिवार को रोमांचक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में दक्षिण अफ्रीका को अंतिम गेंद में चार विकेट से हराकर आईसीसी के पूर्ण सदस्य के खिलाफ पहली जीत दर्ज की। नामीबिया ने अपने घरेलू मैदान नामीबिया क्रिकेट ग्राउंड पर अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेलते हुए दक्षिण अफ्रीका को आठ विकेट पर 134 रन पर रोक दिया। इसके बाद मेजबान टीम ने अपनी पारी की आखिरी गेंद पर जीत हासिल की। टीम ने छह विकेट पर 138 रन बनाए और जीत के बाद एक 'लैप ऑफ ऑनर' भी हुआ। आईसीसी एसोसिएट सदस्य नामीबिया ने इस टी20 अंतरराष्ट्रीय से पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ किसी भी प्रारूप में कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला था, लेकिन शनिवार को डोनोवन फरेरा की अगुआई वाली दूसरी दर्जे की दक्षिण अफ्रीका टीम को हराकर उनका सपना साकार हो गया।

किस बात से असुरक्षित महसूस कर रही हैं संगीता बिजलानी

तीन महीने पहले एक्ट्रेस संगीता बिजलानी के पुणे स्थिति फार्महाउस में ऐसी घटना घटी कि वह अब तक सदमे में हैं। इस घटना की वजह से वह खुद को काफी असुरक्षित महसूस कर रही हैं। जानिए, क्या है ये पूरा मामला?

संगीता बिजलानी ने हाल ही में अपने फार्महाउस में हुई चोरी की जांच की स्थिति जानने के लिए पुणे ग्रामीण के पुलिस अधीक्षक संदीप सिंह गिल से मुलाकात की। संगीता ने कहा कि उन्होंने अपनी सुरक्षा की चिंताओं का हवाला देते हुए बंदूक लाइसेंस के लिए भी आवेदन किया है। बताते चलें कि तीन महीने पहले संगीता बिजलानी के फार्महाउस पर सेंधमारी की वारदात को कुछ अज्ञात लोगों ने अंजाम दिया था।

अभी तक कोई सुराग नहीं मिला है

जुलाई में कुछ अज्ञात व्यक्तियों ने संगीता बिजलानी की संपत्ति में सेंध लगाई। रेफ्रिजरेटर, टीवी सेट और फर्नीचर जैसे घरेलू सामान तोड़ दिए और दीवारों पर अश्लील चित्र बना दिए। पुलिस के अनुसार वे 50,000 रुपये नकद और 7,000 रुपये मूल्य का एक टेलीविजन भी ले गए। इस घटना पर संगीता बिजनानी ने पीटीआई से बातचीत में कहा, मैं पिछले 20 साल से वहां रह रही हूं। पावना मेरे लिए एक घर रहा है।

संगीता बिजलानी ने आगे कहा, एसपी गिल ने आश्वासन दिया है कि पुलिस मामले की तह तक जाएगी और दोषियों को पकड़ेगी।

चोरी की घटना से सहम गई थीं संगीता

संगीता बिजलानी आगे कहती हैं, चोरी और घर में सेंधमारी हुई थी। यह डरावना था। सौभाग्य से मैं वहां नहीं थी। घर के अंदर दीवार पर अश्लील बातें लिखी थी, चित्र बने थे। पावना में कई निवासी हैं, जिनमें बुजुर्ग लोग और परिवार शामिल हैं। अब सुरक्षा अहम हो गई है। मेरे फार्महाउस में हुई सेंधमारी की घटना के कारण पावना के लोग असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

बंदूक लाइसेंस की मांग की

संगीता बिजलानी को जिंदगी में पहली बार आत्मरक्षा के लिए हथियार रखने की जरूरत महसूस हो रही है। वह कहती हैं, इस घटना के बाद मैंने पुणे ग्रामीण पुलिस से बंदूक का लाइसेंस मांगा है। एक महिला होने के नाते अगर मैं घर में अकेली जाती हूं, तो मुझे लगता है कि किसी तरह की सुरक्षा जरूरी है। मुझे कभी बंदूक का लाइसेंस लेने की जरूरत महसूस नहीं हुई। लेकिन यह पहली बार है, जब मैं असुरक्षित महसूस कर रही हूं।

संगीता बिजलानी ने यह भी कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अधिकारी कड़े कदम उठाएंगे और इलाके के लोगों का विश्वास बहाल करने के लिए जांच में तेजी लाएंगे।

प्रियंका चोपड़ा के लिए पति निक जोनस ने किया ऐसा खास काम, वायरल हुआ वीडियो

निक जोनस और प्रियंका चोपड़ा अक्सर ही अपनी पोस्ट के जरिए सोशल मीडिया पर छाए रहते हैं। लेकिन आज प्रियंका ने सोशल मीडिया पर एक खास वीडियो शेयर किया है, जिसमें उनके पति निक जोनस उनके लिए कुछ खास करते नजर आए।

प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस बॉलीवुड के पसंदीदा कपल्स में से एक हैं। वह अपनी केमिस्ट्री से हमेशा दिखाते आए हैं कि वे कितने प्यारे कपल हैं। प्रियंका ने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर किया, जिसमें निक अपनी पत्नी प्रियंका के लिए कुछ खास करते नजर आए।

क्या खास है इस वीडियो में

प्रियंका वीडियो में कहती नजर आ रही हैं, 'हम हवाई अड्डे जा रहे हैं, लाइव रिकॉर्डिंग कर रही हूं।₹ इस दौरान प्रियंका अपने पति निक की तारीफ करती हैं और कहती हैं, 'तुम इसमें बहुत अच्छे होते जा रहे हो।' वहीं इस वीडियो में निक जोनस कहते हैं कि वे एक साथ कई काम कर रहे हैं–प्रियंका के बाल बना रहे हैं और टीवी पर बेसबॉल मैच भी देख रहे हैं।

मुसीबत में फंसी फिल्म नो एंट्री 2

फिल्म 'नो एंट्री 2' को लेकर अब खबर आ रही है कि फिल्म से वरुण धवन ने भी किनारा कर लिया है। आखिर किस वजह से दिलजीत के बाद वरुण ने भी फिल्म छोड़ दी है, चलिए जानते हैं।

बॉलीवुड की चर्चित कॉमेडी फिल्म नो एंट्री का सीक्वल पिछले कुछ महीनों से लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। पहले जहां दर्शक इस फ्रेंचाइजी की वापसी से खुश थे, वहीं अब खबरें आई हैं कि फिल्म की कास्ट में बड़े बदलाव किए जा रहे हैं। पहले दिलजीत दोसांझ ने प्रोजेक्ट से किनारा किया और अब अभिनेता वरुण धवन ने भी नो एंट्री 2 से पीछे हटने का फैसला लिया है।

वरुण धवन के फिल्म छोड़ने की खबर

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वरुण धवन की डेट्स फिल्म के शूटिंग शेड्यूल से मेल नहीं खा रहीं, जिसकी वजह से उन्होंने प्रोजेक्ट को छोड़ दिया। वहीं प्रोड्यूसर बोनी कपूर ने इस खबर पर अभी तक आधिकारिक बयान नहीं दिया है, लेकिन अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि मेकर्स अब दो नए चेहरों की तलाश में हैं जो अर्जुन कपूर के साथ फिल्म में नजर आएंगे।

यह खबर भी पढ़ें: सेट पर स्मृति ईरानी को मिली हैं + सिक्योरिटी? अफवाहों पर तुलसी ने दी प्रतिक्रिया, बोलीं- हंसी आती है...

नो एंट्री 2 की कास्ट में उलटफेर

बताया जा रहा है कि इस फिल्म में पहले वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अर्जुन कपूर को एक साथ लाने का प्लान था। लेकिन जब दिलजीत ने डेट्स और क्रिएटिव डिफरेंसेज के चलते प्रोजेक्ट छोड़ दिया, तो शूटिंग शेड्यूल में बड़े बदलाव किए गए। इसी फेरबदल ने वरुण के लिए मुश्किलें बढ़ा दीं क्योंकि उनके पास पहले से ही भेड़िया 2 की शूटिंग की डेट्स लॉक थीं।

मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि वरुण इस फिल्म को लेकर बेहद उत्साहित थे, लेकिन दिलजीत के जाने के बाद शूटिंग शेड्यूल में ऐसे बदलाव हुए कि सब कुछ मुश्किल हो गया। वरुण की प्राथमिकताएं पहले से तय थीं, इसलिए उन्हें 'नो एंट्री 2' से बाहर होना पड़ा।

दिलजीत दोसांझ से कोई मतभेद नहीं

कुछ दिनों पहले बोनी कपूर ने एक इंटरव्यू में साफ कहा था कि दिलजीत दोसांझ अब फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। उन्होंने कहा था, 'हम अच्छे संबंधों में अलग हुए हैं। उनकी तारीखें हमारे शेड्यूल से मेल नहीं खा रही थीं, लेकिन हम जल्द ही एक पंजाबी फिल्म साथ करने की उम्मीद रखते हैं।'

अब फिल्म की आगे की राह क्या?

अब 'नो एंट्री 2' की टीम के सामने सबसे बड़ी चुनौती है- वरुण और दिलजीत की जगह नए एक्टर्स को कास्ट करना। हालांकि अर्जुन कपूर अभी भी फिल्म का हिस्सा बने हुए हैं। कहा जा रहा है कि फिल्म की कहानी पहले से ज्यादा मस्तीभरी और ट्विस्ट से भरी होगी। इसी बीच वरुण धवन और दिलजीत दोसांझ दोनों ही जेपी दत्ता की फिल्म बॉर्डर 2 में साथ दिखाई देंगे, जिसमें सनी देओल और अहान शेट्टी भी अहम किरदार निभा रहे हैं।

कहां से होती है युजवेंद्र की एक्स वाइफ की कमाई

क्रिकेटर युजवेंद्र चहल से तलाक के बाद धनश्री वर्मा सुर्खियों में हैं। इन दिनों वह शो 'राइज एंड फॉल' में अच्छा कर रही हैं। आइए जानते हैं उनकी नेटवर्थ कितनी है?

हाल ही में धनश्री वर्मा का क्रिकेटर युजवेंद्र चहल के साथ तलाक हुआ है। इसके बाद से वह लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। तलाक के बाद उन्हें ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। अलग होने के बाद युजवेंद्र चहल ने कहा था कि धनश्री का घर उनके नाम से चलता है। आइए जानते हैं धनश्री वर्मा का इंकम सोर्स क्या है और उनके पास कुल कितनी संपत्ति है?

इन कामों के लिए मशहूर हैं धनश्री

धनश्री वर्मा ने कोरियोग्राफर, डांसर और सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर के तौर पर अपनी पहचान बनाई है। वह यूट्यूब चैनल पर अपने कंटेंट की वजह से काफी मशहूर हुई हैं। धनश्री वर्मा अपनी डांस वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। इस पर कई लाइक्स और व्यूज आते हैं। बताया जाता है कि सोशल मीडिया से उनकी अच्छी कमाई होती है। ब्रांड रील के लिए वह लाखों में रुपये लेती हैं।

धनश्री वर्मा की नेटवर्थ

खबरों के मुताबिक धनश्री वर्मा की नेटवर्थ 24 से 25 करोड़ रुपये है। उनकी कमाई का बड़ा हिस्सा डांस और सोशल मीडिया पर ब्रांड एंडोर्समेंट से आता है। कोरियोग्राफी से भी उनकी कमाई होती है। उनके यूट्यूब और इंस्टाग्राम पर अच्छी फैन फॉलोइंग है। धनश्री वर्मा अपने फैशन और आउटफिट के जरिए सुर्खियों में रहती हैं। कई लड़कियां उनके फैशन को कॉपी करती हैं।

पॉपुलर शो में आ रहीं नजर

धनश्री वर्मा इन दिनों शो राइज एंड फॉल में कंटेस्टेंट के तौर पर नजर आ रही

हैं। शो को काफी पसंद किया जा रहा है। इसमें धनश्री वर्मा लोगों का ध्यान खींच रही हैं।

तेलुगु फिल्मों में डेब्यू

धनश्री वर्मा ने तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में भी नजर आने वाली हैं। वह जल्द ही फिल्म 'अकसम दाति वास्तव' का हिस्सा होंगी। वह इस फिल्म में डांस करती हुई नजर आएंगी। फिल्म में उनके साथ कोरियोग्राफर यश और मलयालम अभिनेत्री कार्तिका मुरालीधरन भी होंगी।

निजी जिंदगी

निजी जिंदगी की बात करें तो धनश्री वर्मा ने भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल के साथ साल 2020 में शादी की थी। डेढ़ साल बाद दोनों तलाक के जरिए अलग हो गए। तलाक के बाद दोनों ने एक दूसरे पर कई आरोप लगाए हैं।

'मैं जो भी सोचूं, कहूं, करूं वह मेरे सर्वोच्च स्व का सम्मान करे', कैसी जिंदगी जीना चाहती हैं सामंथा रुथ प्रभु

साउथ अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने अपनी जिंदगी के एक खास अनुभव को साझा किया। उन्होंने सोशल मीडिया हैंडल पर कई खास तस्वीरें और वीडियो शेयर किए। साथ ही एक जिंदगी को लेकर एक खास नोट भी लिखा। सामंथा रुथ प्रभु इन दिनों अपने कथित रूमर्ड बॉयफ्रेंड राज निदिमोरु के साथ लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। इसी बीच सामांथा ने अपनी लाइफ को कैसे जीना चाहिए। इसको लेकर एक खास पोस्ट सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किया है। सामांथा का पोस्ट सामंथा रुथ प्रभु ने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी कई शानदार तस्वीरें और वीडियो शेयर किए। इसके साथ ही सामंथा ने कैप्शन में अपने विचार, शब्द और काम उनके सबसे अच्छे व्यक्तित्व के बारे में बताया। सामंथा ने इंस्टाग्राम पर लिखा कि शांत पलों में उन्हें यह समझ आया कि वह इसे सिर्फ कहने की बजाय जीना चाहती हैं। सामांथा के शेयर किए खूबसूरत पल उन्होंने कुछ तस्वीरें भी शेयर कीं, जिनमें वह पूजा करती, जिम में व्यायाम करती और अपने कुत्तों के साथ खेलती नजर आ रही हैं। एक तस्वीर में वह नारंगी रंग का सूट पहने पूजा करती दिखीं। सामंथा के इस पोस्ट को उनके फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। सामांथा के फैंस उनकी इस पोस्ट पर लाल दिल वाले और फायर इमोजी शेयर कर रहे हैं। सामंथा का हालिया पोस्ट पिछले हफ्ते सामंथा ने एक इंस्टाग्राम द&अ में बताया कि एक उद्धरण ने उनकी सोच बदल दी। उन्होंने कहा, 'आपको अपना उद्देश्य उन चीजों में मिलेगा जो आपको परेशान करती हैं।' इससे उनकी जिंदगी आसान हुई और वह दूसरों को भी इसे आजमाने की सलाह देती हैं। सामंथा ने स्कूल से सीखी बातों के बारे में भी बताया।

काश उस पल को महसूस कर पाती, जिगरा के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिलने पर इमोशनल हुई आलिया भट्ट

शनिवार को अहमदाबाद में 70वें फिल्मफेयर अवॉर्ड में आलिया भट्ट को बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड फिल्म जिगरा के लिए मिला। लेकिन वह अवॉर्ड लेने के लिए वहां मौजूद नहीं थी। इस अवॉर्ड को लेकर रविवार को आलिया ने एक इमोशनल पोस्ट की हैं।

फिल्म जिगरा आलिया भट्ट के दिल के बहुत करीब है। यह उनकी पहली एक्शन ड्रामा फिल्म थी। इस फिल्म में आलिया का उम्दा अभिनय और एक्शन दर्शकों ने देखा। शनिवार को फिल्म जिगरा के लिए ही आलिया भट्ट को फिल्मफेयर अवॉर्ड 2025 में बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला। वह अवॉर्ड फंक्शन में शामिल नहीं हो पाईं। लेकिन आज आलिया ने एक स्पेशल पोस्ट इस अवॉर्ड और फिल्म जिगरा की टीम के लिए की है।

आलिया भट्ट ने सबका शुक्रिया अदा किया

आलिया भट्ट अपनी पोस्ट में लिखती हैं, फिल्म जिगरा मेरे दिल के सबसे करीब रहेगी। सिर्फ उस कहानी के लिए नहीं, जो हमने सुनाई बल्कि उन बेहतरीन लोगों के लिए, जिन्होंने इसे यादगार बनाया। फिल्म के निर्देशक वसन बाला आपने इसे जिस तरह से बनाया है, उसके लिए शुक्रिया। एक्टर वेदांग रैना और बाकी टीम ने जो ईमानदारी दिखाई, उसके लिए शुक्रिया। इस सम्मान के लिए फिल्मफेयर का का बहुत-बहुत शुक्रिया। काश मैं उस पल को खुद महसूस कर पाती, लेकिन मेरा दिल इस वक्त भरा हुआ है। आलिया भट्ट ने करण जौहर और धमार्मूवीज का भी शुक्रिया अदा किया।

वह आगे पोस्ट में लिखती हैं, मैं असल जिंदगी की जिगरा शाहीन भट्ट (बहन) की शुक्रगुजार रहूंगी। उसने हमेशा मुझे धैर्य बनाए रखने को कहा।

आलिया की अपकमिंग फिल्म भी होगी एक्शन से भरपूर

आलिया भट्ट की अपकमिंग फिल्म अल्फा है। यह एक एक्शन स्पाई थ्रिलर फिल्म होगी। आलिया भट्ट के साथ इसमें शरवरी वाघ भी नजर आएंगी। फिल्म 'अल्फा' इसी साल 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है। यह फिल्म यशराज के स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा है। फिल्म में बॉबी देओल भी एक अहम रोल निभाएंगे।

इसके अलावा आलिया भट्ट रणबीर कपूर और विक्की कौशल के साथ संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' भी कर रही हैं। यह फिल्म अगले साल 2026 में रिलीज हो सकती है।

देखें महिला विश्व कप जीतने वाली टीमों की सूची

नई दिल्ली। महिला विश्व कप इतिहास में ऑस्ट्रेलिया सबसे सफल टीम रही है। उसने अब तक सात बार (1978, 1982, 1988, 1997, 2005, 2013 और 2022) खिताब अपने नाम किया है। महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 इस समय भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में खेला जा रहा है। यह टूर्नामेंट महिला क्रिकेट इतिहास का 13वां संस्करण है। अब तक हुए 12 संस्करणों में सिर्फ तीन टीमों ने ही चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया है। इनमें ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड का नाम शामिल है। पहला विश्व कप इंग्लैंड के नाम महिला क्रिकेट विश्व कप की शुरूआत वर्ष 1973 में इंग्लैंड में हुई थी। इस पहले टूर्नामेंट में इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर इतिहास रचा और पहली विश्व कप विजेता टीम बनी। उस समय महिला क्रिकेट अभी शुरूआती दौर में था, लेकिन इस आयोजन ने महिला खेलों को नई पहचान दी। ऑस्ट्रेलिया का दबदबा कायम महिला विश्व कप इतिहास में ऑस्ट्रेलिया सबसे सफल टीम रही है। उसने अब तक सात बार (1978, 1982, 1988, 1997, 2005, 2013 और 2022) खिताब अपने नाम किया है।

अफगानिस्तान का दावा- बीती रात पाकिस्तान के 58 सैनिक मारे

इस्लामाबाद : पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार, दोनों देशों के बीच अंगूर अड्डा, बाजौर, कुर्रम, दीर, चित्राल और खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान को बरामचा समेत कई अग्रिम चौकियों पर झड़प हुई।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान की सेनाओं के बीच सीमा पर कई इलाकों में लड़ाई चल रही है। इससे दोनों देशों के बीच संघर्ष बढ़ सकता है। इससे पहले शनिवार की रात भी अफगानिस्तान की तरफ से तालिबान लड़ाकों द्वारा पाकिस्तान की अग्रिम सीमा चौकियों पर गोलीबारी की गई थी। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के प्रवक्ता ने दावा किया है कि शनिवार रात की गई गोलीबारी में पाकिस्तान के 58 सैनिक मारे गए हैं। रविवार की सुबह पाकिस्तान की तरफ से अफगानिस्तान की कई अग्रिम चौकियों पर टैंक, तोप और ड्रोन्स की मदद से जवाबी हमला किया गया है। दोनों देशों के बीच बढ़ते संघर्ष को देखते हुए दुनियाभर के देशों ने चिंता जाहिर की है। इन इलाकों में हुई हिंसक झड़प पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार, दोनों देशों के बीच अंगूर अड्डा, बाजौर, कुर्रम, दीर, चित्राल और खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान को बरामचा समेत कई अग्रिम चौकियों पर झड़प हुई। पाकिस्तान का दावा है कि टीटीपी के आतंकियों को पाकिस्तान में घुसपैठ कराने के लिए सीमा पर गोलीबारी की गई। पाकिस्तानी मीडिया एक्सप्रेस ट्रिब्यून का दावा है कि गोलीबारी में अफगानिस्तान की कई चौकियां तबाह हो गई हैं और कई अफगानी सैनिक और टीटीपी आतंकी मारे गए हैं। हालांकि रिपोर्ट में मृतकों और घायलों के सही आंकड़े नहीं बताए गए। अफगानिस्तान का 58 पाकिस्तानी सैनिकों को मारने का दावा तालिबान ने रविवार को कहा कि उसने रात भर सीमा पर चलाए गए अभियानों में 58 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराया है। यह कार्रवाई उसने अपने क्षेत्र और हवाई क्षेत्र में बार-बार हो रहे उल्लंघन के जवाब में की है। इस सप्ताह की शुरूआत में, पाकिस्तान ने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल और देश के पूर्वी हिस्से में एक बाजार पर बमबारी की। हालांकि पाकिस्तान ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। तालिबान सरकार के मुख्य प्रवक्ता, जबीउल्लाह मुजाहिद ने कहा कि अफगान बलों ने 25 पाकिस्तानी सैन्य चौकियों पर कब्जा कर लिया है, 58 सैनिक मारे हैं और हमलों में 30 अन्य पाकिस्तानी सैनिक घायल हुए हैं। अब तक क्या क्या हुआ तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान ने हाल के वर्षों में पाकिस्तान में कई बड़े आतंकी हमलों को अंजाम दिया है। पाकिस्तान का आरोप है कि टीटीपी नेताओं को अफगान तालिबान का समर्थन है। हालांकि दोनों देशों के बीच कई बार यह मुद्दा उठने के बावजूद हमलों को रोकने के लिए कोई खास कदम नहीं उठाए गए। बीते हफ्ते खैबर पख्तूनख्वा के अरकजई इलाके में हुई मुठभेड़ में एक लेफ्टिनेंट कर्नल समेत 11 पाकिस्तानी सैनिकों की मौत से पाकिस्तान तिलमिला गया और यही वजह रही कि पाकिस्तान ने ही हाल ही में काबुल में बड़ा हवाई हमला कर टीटीपी नेताओं को निशाना बनाने की कोशिश की। अफगानिस्तान ने पाकिस्तानी हवाई हमले के जवाब में सीमा पर कई पाकिस्तानी चौकियों को निशाना बनाया और भारी गोलीबारी की। कुनार, नांगरहार, पक्तिका, खोश्त और हेलमंद इलाकों में सीमा पर दोनों तरफ से गोलीबारी की पुष्टि हुई है।

डोनाल्ड ट्रंप की आयु 79 वर्ष, लेकिन हृदय की गति 65 साल जैसी; दूसरे सबसे उम्रदराज राष्ट्रपति

वॉशिंगटन : व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव को जारी किए गए मेमो में ट्रंप के चिकित्सक डॉ. सीन बारबेला ने कहा ट्रंप का हृदय, फेफड़े, तंत्रिका संबंधी और शारीरिक प्रदर्शन मजबूत है। उनके दिल की आयु ईसीजी के जरिये हृदय की जीवन शक्ति का एक मान्य माप, उनकी वास्तविक उम्र से लगभग 14 वर्ष कम पाया गया। अमेरिकी राष्ट्रपति के डॉक्टर ने व्हाइट हाउस द्वारा जारी एक मेमो में कहा कि मेडिकल मूल्यांकन में डोनाल्ड ट्रंप की सेहत असाधारण और बेहतर पाई गई है। उनकी हृदय

संबंधी आयु वास्तविक उम्र से 14 वर्ष कम है। यानी 79 वर्षीय ट्रंप की वास्तविक उम्र 65 साल जैसी है। वह देश के राष्ट्रपति के रूप में सेवा करने वाले दूसरे सबसे उम्रदराज व्यक्ति हैं। नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर में कराई स्वास्थ्य जांच ट्रंप ने 'वॉल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर' में स्वास्थ्य जांच कराई, जहां डॉक्टर ने उन्हें स्वस्थ बताया। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव को जारी किए गए मेमो में ट्रंप के चिकित्सक डॉ. सीन बारबेला ने कहा, ट्रंप का हृदय, फेफड़े, तंत्रिका संबंधी और शारीरिक प्रदर्शन मजबूत है। उनके दिल की आयु ईसीजी के जरिये हृदय की जीवन शक्ति का एक मान्य माप, उनकी वास्तविक उम्र से लगभग 14 वर्ष कम पाया गया। बता दें पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन अपने कार्यकाल के अंतिम समय में रोगों का शिकार हो गए थे। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मध्य पूर्व की यात्रा से पहले शुक्रवार को मैरीलैंड के बेथेस्डा स्थित वाल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर में स्वास्थ्य जांच कराई थी। 79 वर्षीय ट्रंप जनवरी में व्हाइट हाउस में दोबारा कार्यभार संभालने वाले सबसे उम्रदराज व्यक्ति हैं। व्हाइट हाउस ने इसे ट्रंप की नियमित जांच बताई थी। यह जांच उनके व्यापक शारीरिक परीक्षण के छह महीने बाद की गई। बता दें, जुलाई में व्हाइट हाउस ने खुलासा किया था कि ट्रंप के पैरों के निचले हिस्से में सूजन और दाहिने हाथ पर चोट के निशान हैं, जबकि तस्वीरों में राष्ट्रपति के टखने सूजे दिखाई दे रहे थे। उनके हाथ का प्रभावित हिस्सा मेकअप से ढका हुआ था।

अमेरिका छोड़कर अब इस देश में रहेंगे नोबेल विजेता अर्थशास्त्री अभिजीत बनर्जी, जानें क्या है वजह

वॉशिंगटन । इस साल का अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार सोमवार को घोषित किया जाएगा। इस बीच अभिजीत बनर्जी और एस्थर डुफ्लो का स्विट्जरलैंड जाना अकादमिक जगत में बड़ा बदलाव माना जा रहा है। वे स्विट्जरलैंड के यूनिवर्सिटी ऑफ ज्यूरिख में नया केंद्र खोलेंगे। अमेरिका में रिसर्च पर बढ़ते राजनीतिक दबाव को देखते हुए इसे एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

अमेरिका में रिसर्च फंडिंग और विश्वविद्यालयों की आजादी पर हो रहे हमलों के बीच दो मशहूर अर्थशास्त्री, अभिजीत बनर्जी और एस्थर डुफ्लो, ने अमेरिका छोड़ने का फैसला किया है। दोनों अब स्विट्जरलैंड के यूनिर्वसिटी ऑफ ज्यूरिख में काम करेंगे। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब अमेरिकी वैज्ञानिकों के दूसरे देशों में जाने को लेकर 'ब्रेन ड्रेन' की आशंका जताई जा रही है। जुलाई से नई भूमिका शुरू होगी अब तक दोनों अर्थशास्त्री मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) में पढ़ा रहे थे। विश्वविद्यालय ने बताया कि जुलाई 2026 से अभिजीत बनर्जी और एस्थर डुफ्लो उसकी अर्थशास्त्र संकाय में शामिल होंगे। दोनों को लेमन फाउंडेशन द्वारा फंड की गई 'एंडाउड प्रोफेसरशिप दी जाएगी। नया 'लेमन सेंटर' भी बनेगा अभिजीत बनर्जी और एस्थर डुफ्लो यूजेडएच में एक नया शोध केंद्र बनाएंगे, जिसका नाम लेमन विकास, शिक्षा और सार्वजनिक नीति केंद्र होगा। इसका मकसद विकास, शिक्षा और नीतियों से जुड़ा ऐसा शोध करना होगा, जिसका सीधा असर दुनिया भर की सरकारी नीतियों पर पड़े। यह केंद्र शोधकताओं और शिक्षा नीति बनाने वाले संस्थानों को आपस में जोड़ने का भी काम करेगा। अभिजीत बनर्जी और एस्थर डुफ्लो अमेरिका से क्यों जा रहे हैं दोनों अर्थशास्त्री? विश्वविद्यालय के बयान में उनके जाने की वजह साफ नहीं बताई गई। लेकिन हाल में अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सरकार द्वारा रिसर्च फंडिंग में कटौती और विश्वविद्यालयों की अकादमिक स्वतंत्रता पर हमले के चलते कई वैज्ञानिक और प्रोफेसर नाराज हैं। कई देशों ने इस माहौल का फायदा उठाकर अमेरिकी वैज्ञानिकों को अपने यहां आकर्षित करने की कोशिश शुरू कर दी है। खुद एस्थर डुफ्लो ने मार्च में फ्रांसीसी अखबार 'ले मोंडे' में एक संपादकीय पर हस्ताक्षर किए थे, जिसमें अमेरिकी विज्ञान पर हो रहे बेहद खतरनाक हमलों' की आलोचना की गई थी। 'काम को और आगे बढ़ाने का मौका' डुफ्लो ने कहा, 'लेमन सेंटर की मदद से हम अपने उस काम को और मजबूत बना पाएंगे जो अकादमिक रिसर्च, छात्रों का मार्गदर्शन और असली नीतिगत बदलावों के बीच पुल बनाता है।' दोनों एमआईटी में पार्ट-टाइम भूमिकाएं भी जारी रखेंगे।

पूर्वी अफ्रीकी देश सेशेल्स के राष्ट्रपति बनेंगे हर्मिनी, चुनावी जीत पर पीएम मोदी ने दी बधाई

विक्टोरिया : सेशेल्स में राष्ट्रपति चुनाव में हर्मिनी की जीत न सिर्फ उनकी पार्टी की वापसी है, बल्कि यह जनमत का साफ संकेत भी है कि लोग पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक समस्याओं पर ठोस कार्रवाई चाहते हैं। वहीं भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें इस जीत पर बधाई दी है।

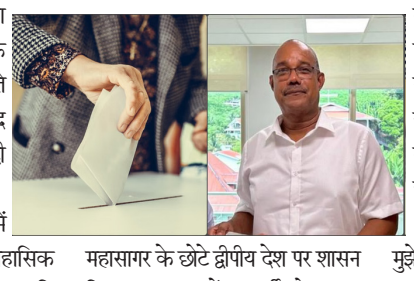

सेशेल्स के राष्ट्रपति चुनाव में विपक्षी नेता पैट्रिक हर्मिनी ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। उन्होंने मौजूदा राष्ट्रपति वेवल रामकलावन को कड़े मुकाबले में हराकर सत्ता पर कब्जा कर लिया। रविवार तड़के आए आधिकारिक नतीजों के अनुसार, हर्मिनी को 52.7% वोट मिले, जबकि रामकलावन को 47.3% वोट ही हासिल हुए। सत्ता में पुरानी पार्टी की वापसी पैट्रिक हर्मिनी यूनाइटेड सेशेल्स पार्टी का नेतृत्व करते हैं, जिसने 1977 से 2020 तक यानी करीब चार दशक तक इस हिंद महासागर के छोटे द्वीपीय देश पर शासन किया था। 2020 में इस पार्टी को हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन अब दोबारा सत्ता में उसकी वापसी हुई है। वहीं रामकलावन सेशेल्वा डेमोक्रेटिक यूनियन पार्टी से आते हैं और 2020 से राष्ट्रपति पद पर थे। वे इस बार दूसरा कार्यकाल चाहते थे, लेकिन जनता ने बदलाव को प्राथमिकता दी। पीएम मोदी ने हर्मिनी को दी बधाई प्रधानमंत्री मोदी ने पैट्रिक हर्मिनी को राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल करने पर बधाई दी है। पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- सेशेल्स के राष्ट्रपति चुनाव में डॉ. पैट्रिक हर्मिनी की जीत पर हार्दिक बधाई। हिंद महासागर का जल हमारी साझी विरासत है और हमारे लोगों की आकांक्षाओं और आवश्यकताओं का पोषण करता है। मुझे विश्वास है कि राष्ट्रपति के रूप में उनके कार्यकाल में हमारे समय-परीक्षित और बहुआयामी संबंध और प्रगाढ़ होंगे तथा और गति पकड़ेंगे। आगामी कार्यकाल के लिए उन्हें मेरी शुभकामनाएं। सेशेल्स में राष्ट्रपति पद की चुनावी तस्वीर दो हफ्ते पहले हुए पहले दौर के मतदान में कोई भी उम्मीदवार बहुमत नहीं पा सका था।

अमेरिका ने 100% टैरिफ लगाया तो उठाएंगे सख्त कदम', चीन ने दुर्लभ खनिज निर्यात पर प्रतिबंध का किया बचाव

बीजिंग। चीन ने रविवार को दुर्लभ खनिजों और उनसे जुड़ी वस्तुओं पर अपने नए निर्यात नियंत्रण उपायों का बचाव किया और कहा कि यह वैश्विक शांति की रक्षा के लिए उठाया गया जायज कदम है। इसके साथ ही चीन ने अमेरिका को चेतावनी दी कि अगर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चीनी निर्यात पर सौ फीसदी टैरिफ लगाने की धमकी को अमल में लाते हैं, तो वह सख्त कदम उठाएगा। बीजिंग ने गुरुवार को दुर्लभ खनिजों, लिथियम बैटरियों और इन खनिजों से बनी अत्यधिक कठोर सामग्री के खनन और प्रसंस्करण (प्रोसेसिंग) से जुड़ी तकनीकों और उपकरणों के निर्यात पर नए प्रतिबंधों की घोषणा की थी। ये नए नियंत्रण उपाय तत्काल प्रभाव से लागू हो गए और इसमें उत्पादन तकनीकों का विदेशी स्थानांतरण भी शामिल है। इन नियंत्रण उपायों (जो तत्काल प्रभाव से लागू हो गए) में उत्पादन तकनीकों का विदेशी स्थानांतरण भी शामिल है। चीन ने कहा कि यह फैसला इस वजह से लिया गया है, क्योंकि कुछ विदेशी कंपनियां चीन से मिली सामग्री का उपयोग सैन्य उद्देश्यों के लिए कर रही थीं। चीन के इस कदम पर प्रतिक्रिया देते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक नवंबर से चीनी वस्तुओं पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने की धमकी दी। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि वह 'सभी जरूरी सॉफ्टवेयर' के निर्यात पर रोक लगा सकते हैं। इससे दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच चल रहा व्यापार युद्ध एक बार फिर भड़क सकता है। रविवार को चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने एक बयान में ट्रंप की धमकी पर जवाब दिया और अमेरिका पर आरोप लगाया कि वह 'राष्ट्रीय सुरक्षा' की अवधारणा का जरूरत से ज्यादा विस्तार कर रहा है ।

कैलिफोर्निया के तट पर क्रैश हुआ हेलीकॉप्टर, सामने आया हादसे का भयानक वीडियो

वॉशिंगटन : अधिकारियों का कहना है कि हादसे का शिकार हुआ विमान 1980 बेल 222 (टेल नंबर ठ222ए) है। इस हेलीकॉप्टर के मालिक विमानन क्षेत्र के जाने-माने व्यक्ति एरिक निक्सन हैं।

अमेरिका के कैलिफोर्निया में एक भीषण हेलीकॉप्टर हादसा हुआ है। यह हादसा स्थानीय समय अनुसार, शनिवार दोपहर करीब दो बजे कैलिफोर्निया के हंटिंग्टन स्ट्रीट और पैसिफिक कोस्ट हाइवे के नजदीक हुआ। इस हादसे में पांच लोग घायल हुए हैं। हादसे के वक्त दो लोग हेलीकॉप्टर में सवार थे, जिन्हें हादसे के बाद हेलीकॉप्टर से निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं तीन अन्य लोग हादसाग्रस्त हेलीकॉप्टर की चपेट में आकर घायल हो गए। हादसे का खौफनाक वीडियो आया सामने हेलीकॉप्टर हादसे का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें दिख रहा है कि हेलीकॉप्टर काफी नीचा उड़ान भर रहा था, उसी दौरान

हेलीकॉप्टर के पंख वहां मौजूद ताड़ के पेड़ों की पत्तियों से टकरा गए। इससे हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी आई और हेलीकॉप्टर अचानक से ऊपर की तरफ उठा और अनियंत्रित होकर क्रैश हो गया। विमानन क्षेत्र के दिग्गज एरिक निक्सन का था हेलीकॉप्टर अधिकारियों का कहना है कि हादसे का शिकार हुआ विमान 1980 बेल 222 (टेल नंबर N222E) है। इस हेलीकॉप्टर के मालिक विमानन क्षेत्र के जाने-माने व्यक्ति एरिक निक्सन हैं। इस दोहरे इंजन वाले मॉडल में दस लोग बैठ सकते हैं और यह लगभग 170 मील प्रति घंटे की गति से उड़ सकता है। आंकड़ों से पता चलता है कि इस हेलीकॉप्टर ने कुल 1,900 घंटे से भी कम उड़ान भरी थी और इसमें गार्मिन नेविगेशन और ड्यूल कंट्रोल लगे थे। हादसे की वजह जानने में जुटे अधिकारी जांच अधिकारी घटनास्थल पर मौजूद हैं और हादसे की वजह जानने की कोशिश कर रहे हैं। अधिकारियों ने इलाके की घेराबंदी कर दी है और पैसिफिक कोस्ट हाइवे को भी एहतियातन बंद कर दिया है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हेलीकॉप्टर जब हादसे का शिकार हुआ तो पहले उन्हें लगा कि यह किसी फिल्म शूटिंग का हिस्सा है। हादसा बेहद डरावना था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, समुद्र तट पर कार्स एंड कॉप्टर्स नामक कार्यक्रम का आयोजन हो रहा था और हादसे का शिकार हुआ हेलीकॉप्टर भी उसी कार्यक्रम का हिस्सा था।

ट्रंप ने डैन स्कैविनो को बनाया व्हाइट हाउस कार्मिक कार्यालय का प्रमुख, सर्जियो गोर की लेंगे जगह

वॉशिंगटन : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने प्रशासन में बड़ा बदलाव किया है। उन्होंने मौजूदा डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ डैन स्काविनो को व्हाइट हाउस पर्सनल ऑफिस का प्रमुख नियुक्त किया है। डैन स्काविनो सर्जियो गोर की जगह लेंगे, जो भारत में अमेरिका के अगले राजदूत नियुक्त किए गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ डैन स्काविनो को व्हाइट हाउस प्रेसिडेंशियल पर्सनल ऑफिस का प्रमुख नियुक्त किया है। इस घोषणा की जानकारी राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर पोस्ट करके दी। ट्रंप प्रशासन में यह कदम प्रशासनिक टीम की मजबूती और योग्य लोगों की नियुक्ति सुनिश्चित करने की दिशा में अहम माना जा रहा है। सर्जियो गोर की जगह लेंगे स्काविनो डैन स्काविनो, जिन्होंने पहले से ही ट्रंप प्रशासन में डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ के रूप में कार्य किया है, अब सर्जियो गोर की जगह लेंगे। सर्जियो गोर को हाल ही में अमेरिका की सीनेट की तरफ से अमेरिका के अगले भारत राजदूत के रूप में नियुक्ति की गई थी और वे फिलहाल में छह दिन के भारत दौरे पर आए हैं। ट्रंप ने स्काविनो को बताया महान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर पोस्ट में लिखा, 'मैं यह बताते हुए खुश हूं कि महान डैन स्काविनो, डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ बने रहने के साथ-साथ, व्हाइट हाउस पर्सनल ऑफिस का नेतृत्व करेंगे। सर्जियो गोर ने इस पद पर शानदार काम किया और अब वे भारत के राजदूत बन रहे हैं। डैन को बधाई, आप शानदार काम करेंगे!' व्हाइट हाउस पर्सनल ऑफिस की क्या होती है जिम्मेदारी? यह ऑफिस सरकार में लगभग सभी पदों के चयन और नियुक्ति की प्रक्रिया की देखरेख करता है। कार्यालय राष्ट्रपति के लिए विभागों और एजेंसियों में योग्य उम्मीदवारों की भर्ती करता है। यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण और बड़ा पद माना जाता है क्योंकि इसके जरिए राष्ट्रपति प्रशासन में नियुक्तियों का निर्णय लिया जाता है।

'ये अमेरिका के दोहरे मापदंड', 100 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने पर भड़का चीन

बीजिंग : अमेरिका ने चीन के सामान पर पूर्व में भी 30 प्रतिशत टैरिफ लगाया हुआ है। ऐसे में अमेरिका द्वारा चीन से आने वाले सामान पर लगाया गया कुल टैरिफ बढ़कर 130 प्रतिशत हो गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में चीन पर 100 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने का एलान किया है। इसे लेकर चीन ने कड़ी नाराजगी जाहिर की है और अमेरिका पर पलटवार किया है। चीन ने अतिरिक्त टैरिफ को अमेरिका का दोहरा रवैया करार दिया है। चीन के वाणिज्य मंत्रालय के एक अधिकारी ने

एक बयान में कहा कि हाल ही में अमेरिका ने जो बयान जारी किया है, वह उसका दोहरा रवैया दिखाता है। चीन ने दी कड़ी प्रतिक्रिया चीन ने कहा कि 'अमेरिका की ये कार्रवाई चीन के हितों को भारी नुकसान पहुंचाएगी और साथ ही दोनों देशों के बीच के व्यापार और आर्थिक संबंधों को भी गंभीर रूप से कमजोर करेगी। भारी टैरिफ लगाने की धमकी देना चीन से बात करने का सही तरीका नहीं है।' अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने चीन पर लगाया अतिरिक्त 100 प्रतिशत टैरिफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका आने वाले चीन के सभी सामानों पर 100 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। ये टैरिफ 1 नवंबर से लागू होंगे।

इमरान खान की पार्टी में पड़ी फूट, अपने ही सीएम के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की थी तैयारी

इस्लामाबाद : अली अमीन गंडापुर की जगह एमपीए सोहेल अफरीदी को खैबर पख्तूनख्वा को नया सीएम बनाने का एलान किया है। पीटीआई संस्थापक इमरान खान के आदेश पर सोहेल अफरीदी का नया सीएम बनाया जा रहा है। हालांकि इस पूरे घटनाक्रम ने पीटीआई में जारी अंतर्कलह को उजागर कर दिया है। लंबे समय से जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पीटीआई में फूट पड़ गई है। एक समय इमरान खान के करीबी अली अमीन गंडापुर ने सीएम पद से इस्तीफा दे दिया है। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा राज्य में पीटीआई की सरकार है और अली अमीन गंडापुर इसके सीएम थे। अली अमीन गंडापुर और पीटीआई नेतृत्व में बढ़ गए थे मतभेद हालांकि बीते काफी समय से पीटीआई नेतृत्व और अली अमीन गंडापुर के बीच मतभेद बढ़ गए थे। साथ ही खैबर पख्तूनख्वा में आतंकी हमलों की घटनाएं भी काफी बढ़ गई हैं। ऐसे में अली अमीन गंडापुर से इस्तीफा देने की मांग की जा रही थी। पार्टी ने अपने ही सीएम अली अमीन गंडापुर को पद से हटाने के लिए अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी कर ली थी, लेकिन उससे पहले ही शनिवार को गंडापुर ने सीएम पद से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद पीटीआई ने भी अविश्वास प्रस्ताव लाने के विचार को छोड़ दिया। गंडापुर और इमरान खान की बहन में हैं मतभेद पीटीआई ने अली अमीन गंडापुर की जगह एमपीए सोहेल अफरीदी को खैबर पख्तूनख्वा को नया सीएम बनाने का एलान किया है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2016/67511 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा दीक्षित प्रिंटिंग प्रेस 120/51/1 मॉडल हाउस लखनऊ से मुद्रित एवं 233जी इंद्रलोक कॉलोनी कृष्ण नगर लखनऊ से प्रकाशित।
E-Mail : mantralko1008@gmail.com । सम्पादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।